उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 27 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 03 अगस्त-2026

अंदर के पृष्ठ पर | वन विभाग व एसटीएफ की कार्रवाई में 171 कछुए हुए बरामद, तस्कर किये गए गिरफ्तार 7 | आईबी अफसर अंकित शर्मा के हत्यारे ताहिर हुसैन को उम्रकैद 5

इंडोनेशिया में समुद्र के बीच फेरी में लगी भीषण आग, 5 की मौत 41 लोग अब भी लापता

» बीपीएस न्यूज

जकार्ता । इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास रविवार सुबह एक यात्री फेरी में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लोग अब भी लापता हैं। इंडोनेशिया की सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के अनुसार, हादसे के समय फेरी में कुल 271 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे।एजेंसी की रविवार दोपहर तक जानकारी के मुताबिक, अब तक 225 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि लापता लोगों की तलाश के लिए समुद्र में व्यापक खोज और बचाव अभियान जारी है। राहत व बचाव दल नौकाओं और अन्य संसाधनों की मदद से लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह फेरी पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर शहर जा रही थी।हादसा मदुरा द्वीप के निकट हुआ। हालांकि, फेरी में आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि बचाए गए यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान और लापता लोगों का पता लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

गोली खाने को भी तैयार हूं... एफआईआर दर्ज होने के बाद बीजेपी पर भड़के सांसद पप्पू यादव

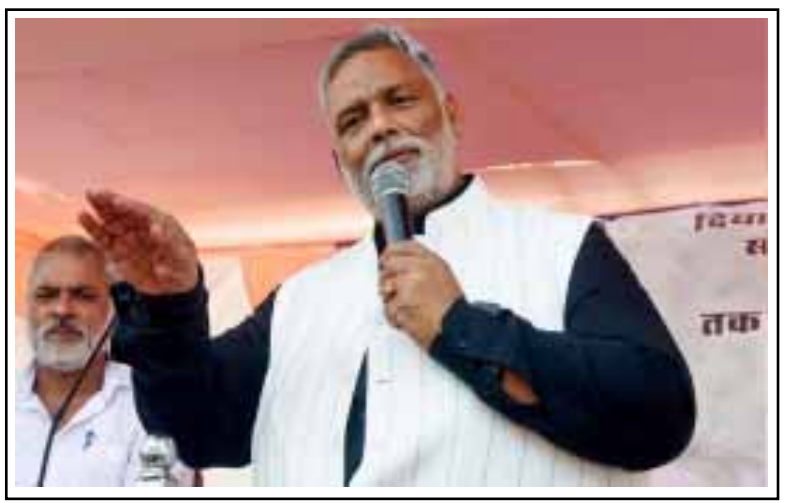

» बीपीएस न्यूज

पटना। संसद परिसर में राम मंदिर के नाम पर पैसे की हेराफेरी के विरोध में हुए एक प्रदर्शन को लेकर राजनीति काफी गर्म हो गई है। प्रदर्शन के दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भगवा कपड़े पहनकर एक पुजारी का रोल निभाया था। उन्होंने दानपात्र से पैसे जेब में रखकर कथित चोरी को दिखाया था। इस मामले में बीजेपी नेताओं की शिकायत पर वाराणसी, दिल्ली और जहांगीरपुरी में राहुल गांधी, अवधेश प्रसाद और पप्पू यादव के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का केस दर्ज कराया गया है।अपने खिलाफ केस दर्ज होने के बाद पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने बिहार में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बीजेपी और पुलिस की कार्रवाई पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, क्या मुझे भगवा कपड़े पहनने का हक नहीं है? राहुल गांधी या प्रियंका गांधी कभी एफआईआर से नहीं डरे, तो मैं कैसे डर सकता हूं? उन्होंने आगे कहा कि धर्म और भगवान के नाम पर धोखा देने वालों से देश को बचाने के लिए वे हमेशा तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में उनके बच्चों को बीच में घसीटना सही नहीं है। इसे भी क्या चोरी सामने लाना गलत है?पप्पू यादव ने साफ किया कि उनका इरादा किसी की धार्मिक आस्था को दुख पहुंचाना नहीं था। वे तो बस मंदिरों में मिलने वाले दान और लोगों के भरोसे की रक्षा करना चाहते थे। उन्होंने सवाल उठाया, क्या मंदिर का पैसा लूटने वालों की पोल खोलना गलत है? क्या करोड़ों लोगों की आस्था और चढ़ावे की सुरक्षा की बात करना कोई गुनाह है? इसे

गोली खाने को भी तैयार

उन्होंने अपने विरोधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि बीजेपी नेता जो बोलना चाहते हैं बोलते रहें, उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में चाहे उनका कितना भी विरोध हो या उन्हें गोली ही क्यों न खानी पड़े, वे धर्म के नाम पर लूट करने वालों के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे।

राम मंदिर ट्रस्ट पर कांग्रेस का हमला
प्रमोद तिवारी बोले- सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच हो

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अयोध्या के श्रीराम मंदिर ट्रस्ट और मंदिर निर्माण से जुड़े मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कथित चढ़ावा चोरी, भूमि सौदों में अनियमितताओं और ट्रस्ट के गठन को लेकर कई सवाल उठाते हुए मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की।प्रमोद तिवारी ने दावा किया कि राम मंदिर में केवल चढ़ावे की कथित चोरी नहीं हुई, बल्कि मंदिर निर्माण की प्रक्रिया के दौरान भी कई अनियमितताएं हुईं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन और उसके घटनाक्रम को उन्होंने करीब से देखा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राम मंदिर के मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाती रही। तिवारी ने कहा कि उनकी राय में मंदिर का निर्माण सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद संभव हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्राण प्रतिष्ठा ऐसे समय कराई गई,

जब मंदिर का निर्माण पूरी तरह पूरा नहीं हुआ था।कांग्रेस नेता ने दावा किया कि राम मंदिर निर्माण के दौरान कुछ भूमि सौदों में भारी वित्तीय अनियमितताएं हुईं। उन्होंने आरोप लगाया कि दो करोड़ रुपये में खरीदी गई एक जमीन को कुछ ही मिनटों बाद 18 करोड़ रुपये में बेचा गया

और कई अन्य भूमि सौदों में सर्किल रेट से कहीं अधिक कीमत चुकाई गई।तिवारी ने आरोप लगाया कि राम मंदिर ट्रस्ट में साधु-संतों के बजाय भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को जगह दी गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि मंदिर निर्माण के दौरान करोड़ों रुपये के घोटाले हुए और चढ़ावे से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप किया था तो कथित अनियमितताओं की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। तिवारी ने यह सवाल भी उठाया कि यदि सब कुछ सही था तो ट्रस्ट से जुड़े कुछ पदाधिकारियों ने इस्तीफा क्यों दिया।

कांग्रेस नेता ने मांग की कि पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच कराई जाए, ताकि लोगों की आस्था से जुड़े इस मुद्दे पर पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

प्रशांत किशोर का पटना एसएसपी पर गंभीर आरोप
कहा बीजेपी के कहने पर कार्यकर्ताओं को उठाया

» बीपीएस न्यूज

पटना। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को बताया कि उनकी पार्टी ने चुनाव आयोग में पटना पुलिस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान भाजपा के कहने पर पुलिस ने जन सुराज के नेताओं और कार्यकर्ताओं को गलत तरीके से पकड़ा और बंद किया। किशोर ने कहा कि गुरुवार को वोटिंग शुरू होने से पहले दो दिनों में पुलिस ने 54 लोगों को पकड़ा, जिनमें कई स्थानीय लोग शामिल थे।प्रशांत किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पटना के एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा का यह दावा बिल्कुल गलत है कि पुलिस ने बाहरी लोगों को पकड़ा था। उन्होंने कहा, हमने चुनाव आयोग को सबूत दिए हैं कि पकड़े गए कई लोग यहीं के रहने वाले थे और उन्होंने कोई नियम

नहीं तोड़ा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में किशोर के साथ ऐसे लोग भी मौजूद थे, जिन्हें प्रशांत किशोर ने कहा कि पकड़े गए 54 लोगों में से 18 से ज्यादा लोग बांकीपुर के ही रहने वाले थे। वे कोई गड़बड़ी नहीं कर रहे थे। उन्होंने सवाल उठाया कि रात में अपने घर में सो रहा इंसान भला कानून-व्यवस्था कैसे बिगाड़ सकता है?एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा पर निशाना साधते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्होंने निष्पक्ष होकर काम नहीं किया और चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की। किशोर ने कहा, अगर एसएसपी को राजनीति ही करनी है, तो पहले अपने पद से इस्तीफा दें। सरकारी पद पर रहकर राजनीति को प्रभावित करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हम उनसे डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार के डीजीपी ने उन्हें भरोसा दिया है कि सोमवार को वोटों की गिनती के समय पटना एसएसपी की कोई भूमिका नहीं होगी। बांकीपुर उपचुनाव में 30 जुलाई को वोट डाले गए थे और 3 अगस्त को वोटों की गिनती होनी है। किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी के लोगों को तो पकड़ा गया, लेकिन भाजपा के किसी व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं हुई। पटना के रहने वाले नवल किशोर गुप्ता ने बताया कि गुरुवार रात 2 बजे पुलिस उन्हें घर से उठा ले गई और वजह भी नहीं बताई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें वोट डालने से रोकना चाहती थी, हालांकि बाद में उन्हें शाम 5 बजे वोट डालने दिया गया। वहीं, पार्टी समर्थक निभा भूषण ने आरोप लगाया कि बुजुर्गों की मदद करने पर कुछ अनजान लोग उनके घर में घुसे और उन्हें डराया-धमकाया।

आंदोलन के बाद अब क्या होगा अगला कदम? 5 अगस्त को अभिजीत दीपके के घर होगी सीजेपी की बड़ी बैठक

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रमुख सदस्य पांच अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में बैठक करेंगे

तथा संगठन की भविष्य की रणनीति और कार्ययोजना पर चर्चा करेंगे। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके के आवास पर होगी।

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले महीने नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में एक महीने तक चले आंदोलन के बाद कॉजपा के कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से कहा गया था कि वे कुछ समय अपने परिवार के साथ बिताएं।

पार्टी के प्रमुख सदस्यों से यह भी कहा गया था कि वे स्वयंसेवकों और विद्यार्थियों से बातचीत करें तथा उनके विचार और सुझाव लेकर बैठक में पहुंचें।

सूत्रों के अनुसार, पांच अगस्त की बैठक के बाद कॉजपा प्रेसवार्ता करेगी जिसमें भविष्य की कार्ययोजना और आगे की रणनीति से जुड़े फैसलों की घोषणा की जाएगी।

इसी बीच, दीपके ने अपने आवास पर विद्यार्थियों, स्थानीय लोगों और पड़ोसी जिले से आए आगंतुकों से मुलाकात की तथा बच्चों के साथ मत्रता दिवस मनाया।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के पेपर लीक मामले को लेकर कॉजपा के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों को देशभर की जेन जेड पीढ़ी से जबरदस्त समर्थन मिला, जिसके चलते पिछले सप्ताह केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

क्या लाठी से चलेगा लोकतंत्रः सुप्रीम कोर्ट

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। 20 जुलाई को छात्र संगठनों द्वारा आयोजित चलो संसद मार्च के बाद देशभर में जिस तरह पुलिस कार्रवाई, बल प्रयोग और हिंसा के आरोपों ने राजनीतिक माहौल को गर्माया, अब वह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गया है। यह लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों और राज्य की जवाबदेही की ऐसी परीक्षा बन चुका है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी पक्ष को कानून अपने हाथ में लेने की छूट नहीं दी जा सकती। अदालत का ताजा रुख इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि उसने न केवल पुलिस की कथित ज्यादतियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं, बल्कि प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और पुलिसकर्मियों पर हमलों की भी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई है।

राजनीति

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि किसी ने भी सीमा लांघी है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अदालत ने यह भी दो टूक कहा कि केवल इसलिए लाठीचार्ज को उचित नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि कहीं प्रदर्शन हो रहा था। लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन स्वाभाविक अधिकार है, लेकिन उसी तरह प्रदर्शनकारियों का आत्मानुशासन और पुलिस का संयम भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी शर्त है। यदि विरोध हिंसक हो जाता है तो यह भी स्वीकार्य नहीं है और यदि पुलिस आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग करती है तो वह भी कानून के दायरे से बाहर है।सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता पर जोर देते हुए संकेत दिया कि केवल जांच बैठा देना पर्याप्त नहीं होगा। यदि जिम्मेदारी तय नहीं होती तो ऐसी जांच का कोई अर्थ नहीं रह जाता। अदालत ने कथित पुलिस बर्बरता, इलेक्ट्रिक बैटन के इस्तेमाल, बिहार में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ च्य-47 के प्रयोग के आरोप तथा विभिन्न राज्यों में सामने आए अन्य गंभीर आरोपों को भी जांच के दायरे में शामिल करने का संकेत दिया है। इसका अर्थ है कि मामला केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशव्यापी पुलिस कार्रवाई के तौर-तरीकों की भी समीक्षा होगी।

अदालत ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और महाराष्ट्र, बिहार, असम, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश सहित उन राज्यों को नोटिस जारी किया है जहां प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठे हैं। साथ ही निर्देश दिया गया है कि सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, पुलिस बॉडी कैमरों, वायरलेस कैमरों और अन्य सभी डिजिटल माध्यमों से रिकॉर्ड हुए वीडियो सुरक्षित रखे जाएं ताकि संभावित जांच में कोई महत्वपूर्ण साक्ष्य नष्ट न हो। इतना ही नहीं, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदर्शनकारियों का व्यक्तिगत डेटा सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। यह निर्देश डिजिटल निगरानी और निजता के अधिकार के बीच संतुलन बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुनवाई के दौरान एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया। एक अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि हिरासत में लिए गए लोगों की कानूनी सहायता करने के दौरान उन्हें पुलिस ने पीटा और अवैध रूप से हिरासत में रखा। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर भी सुनवाई करने का निर्णय लिया और संकेत दिया कि यदि वकीलों के साथ ऐसा व्यवहार हुआ है तो इस पर भी अलग से दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि अदालत केवल छात्रों या पुलिस तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि पूरी न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करना चाहती है।दूसरी ओर केंद्र सरकार ने भी अदालत के समक्ष महत्वपूर्ण रुख अपनाया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट स्वतंत्र जांच कराना चाहता है तो सरकार को उस पर कोई आपत्ति नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जांच समिति का गठन अदालत स्वयं करे, न कि याचिकाकर्ताओं द्वारा सुझाए गए?

बहराइच में गरजीं अनुप्रिया पटेल, कहा- पिछड़ों के हक की लड़ाई हमेशा जारी रखेगा अपना दल

» बीपीएस न्यूज

बहराइच। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल रविवार को बहराइच पहुंचीं। उन्होंने नगर स्थित वन सरिता रिसॉर्ट में आयोजित पार्टी के जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा और पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अनुप्रिया पटेल ने कहा कि अपना दल ने सरकार में रहते हुए हमेशा पिछड़ों और वंचित वर्गों के अधिकारों की आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि पार्टी की मांगों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का फैसला लिया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने की अपील की। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि अपना दल प्रदेश में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के लिए गांव-गांव तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि लक्ष्य एक बार फिर प्रदेश में एनडीए की सरकार बनाना है और इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना होगा।

सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत में अनुप्रिया पटेल ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि सरकार मामले की निष्पक्ष जांच करा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।सांसद पप्पू यादव के संसद परिसर में संत के भेष में प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन विरोध ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हों। पेपर लीक मामले पर उन्होंने कहा कि यह समस्या कई राज्यों में देखने को मिलती है। इसे रोकने के लिए सरकार सख्त कानून और व्यवस्था लागू कर रही है।कार्यक्रम में नानपारा से अपना दल विधायक राम निवास वर्मा, जिला अध्यक्ष गिरीश पटेल, अविनाश साहू, संजीव सिंह राठौर समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपनी बात....

संपादकीय .....

तकनीक व संकल्प से बने निपटने की रणनीति

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वत- संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए।निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है।

इसमें कई अपराधी तो ऐसे हैं जिन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा तक नहीं ली है। लेकिन वे पूरे देश में सीधे-सादे लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। बीते साल तीन सौ से अधिक संदिग्धों की गिरफ्तारी के बावजूद साइबर अपराधियों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है।

बड़े पैमाने पर की गई सख्त कार्रवाई से भी अपराधियों में किसी तरह का भय न होना बताता है कि इस तरह के अपराधियों से निबटने के लिये असरदार जवाबी रणनीति बनाने की जरूरत है। जिसके अंतर्गत अपराधियों के लिये सख्त सजा का प्रावधान हो। अब यह धारणा बन रही है कि डेटा आधारित व्यवस्था में साइबर जोखिमों से बचना कठिन है। लेकिन फिर भी साइबर अपराधों से बचने के लिये सामूहिक संकल्प के साथ बड़े पैमाने पर जागरूकता, तकनीक आधारित सटीक संस्थागत मदद कारगर हो सकती है।

आंदोलन ने दिया मीडिया को आत्ममंथन का मौका

डा0 विमल सचदेवा

जंतर-मंतर का ही यह दृश्य हमें सोचने की सामग्री दे सकता हैङ्क एक यू-ट्यूबर पत्रकार की जय के नारे लगा रहे थे, उसकी निष्पक्ष और साहसिक रिपोर्टिंग के लिए! ऐसे बहुत से पत्रकार हैं जो मीडिया की विश्वसनीयता को बचाने की कोशिश में लगे हैं। उनका अभिनंदन होना चाहिए।राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विद्यार्थियों-युवाओं का आंदोलन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ भले ही समाप्त हो गया हो, पर उसकी गूंज एक लम्बे अर्से तक सुनाई देगी। इन तीस-पैंतीस दिनों के आंदोलन के दौरान बहुत कुछ ऐसा हुआ है जो अर्से तक याद रखा जायेगा। इस बहुत कुछ में युवाओं द्वारा 'गोदी मीडिया' के विरुद्ध लगाये गये नारे भी हैं जिन पर स्वयं मीडिया वालों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। जिस तरह मुख्यधारा के कुछ समाचार चैनलों के खिलाफ प्रदर्शनकारी आवाज़ उठा रहे थे वह अपने आप में मीडिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ मीडिया कर्मियों पर जिस तरह के हमले हुए, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता। युवाओं को पूरा हक है कि वे मीडिया के प्रति अपने असंतोष का इज़हार करें, उनका गुस्सा भी जायज हो सकता है, पर पत्रकारों पर शारीरिक हमले का समर्थन नहीं किया जा सकता। यह सब कहने के बाद एक सवाल जो पूरी गंभीरता के साथ उठता है वह मीडिया की छवि का है। 'गोदी मीडिया' के नाम से मीडिया के जिस वर्ग को आज देश में जाना जा रहा है, वह कुल मिलाकर सरकार-समर्थक वर्ग ही है। सरकार की कमियों और अच्छाइयों दोनों को सामने लाना पत्रकारिता का काम है।

जनतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका बहुत स्पष्ट हैङ्कयह भूमिका ईमानदार पहरेदारी की है। जनतंत्र का चौथा स्तंभ है यह पहरेदार और इस स्तंभ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विश्वसनीयता है। समाज पत्रकार से यह अपेक्षा करता है कि वह जो देख-समझ रहा है उसे ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ समाज के सामने रखेगा। यही उसकी निष्पक्षता का मानदण्ड है। था एक ज़माना जब अखबार में लिखे शब्द पर पाठक लगभग अंधविश्वास करता था। यह अंधविश्वास भी ठीक नहीं कहा जा सकता, पर इतना तो कहना पड़ेगा कि यह विश्वास पत्रकारिता की सबसे कीमती पूंजी और सबसे बड़ी ताकत है। यह ताकत कमज़ोर पड़ती दिखने लगी है! आवश्यकता यह समझने की है कि यह स्थिति कैसे आयी?

आज़ादी प्राप्त करने से पहले तक हमारे देश की पत्रकारिता का इतिहास कुल मिला कर समाज-सेवा का ही था। विशेषकर भाषाई पत्रकारिता का इतिहास। देश के पहले हिंदी अखबार का तो ध्येय वाक्य ही 'हिंदी जन के हेत' यानी 'हिंदुस्तानियों के हित के लिए' था। एक मिशन थी पत्रकारिता। यह स्थिति एक अर्से तक बनी रही, पर धीरे-धीरे सेवा की जगह सत्ता हमारी पत्रकारिता पर हावी होती गयी। जंतर-मंतर पर युवा प्रदर्शनकारियों ने जिस पत्रकारिता पर हमला किया था वह सत्ता वाली पत्रकारिता ही है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज देश की पत्रकारिता के एक बड़े वर्ग पर 'आंख मूंद कर सरकार-परस्ती' का आरोप लग रहा है। खुलेआम कहा जा रहा है कि देश के मीडिया का एक बड़ा वर्ग जैसे सरकार की गोद में जाकर बैठ गया है। इसी पक्षधरता का एक उदाहरण यह है कि युवाओं के इस आंदोलन के शुरुआती दौर में कई दिन तक हमारे समाचार चैनलों में कॉकरोच जनता पार्टी की गतिविधियां रहस्यमय ढंग से गायब ही रही थीं। अखबारों में भी इससे सम्बंधित समाचार मुख्यत- भीतर के पन्नों पर ही जगह पाते थे। बाद के दिनों में जब युवाओं का यह आंदोलन लगातार व्यापक होने लगा तो किसी के लिए इसकी अनदेखी करना संभव नहीं रह गया था। तब शायद पहली बार मुख्यधारा के समाचार चैनलों के प्रतिनिधि 'कॉकरोच-आंदोलन' की ज़मीनी रिपोर्टिंग के लिए पहुंचे थेङ्क और तब शायद पहली बार 'गोदी मीडिया' पर युवाओं का गुस्सा इतना प्रखर होकर सामने आया था।हमेशा से पत्रकारिता की इज्जत रही है समाज में। मीडियाकर्मियों को अधिकांशत- आदर की दृष्टि से ही देखा जाता रहा है। आज जबकि पत्रकारिता मिशन की जगह व्यवसाय मात्र बन कर रह गयी है, अखबार को साबुन की टिकिया की तरह बेचा जा रहा है और देश का सबसे बड़ा 'मीडिया घराना' खुलेआम यह कहता दिखता है कि 'हम विज्ञापन का व्यापार करते हैं' तो समाज से यह अपेक्षा करना कि वह मीडिया की भूमिका को अतिरिक्त आदर के भाव से देखेगा, स्थिति को न समझने का उदाहरण ही माना जायेगा। और यदि पत्रकारिता एक विशिष्ट पेशा है तो मीडिया से यह आशा करना गलत नहीं होगा कि वह अपनी विशिष्टता की रक्षा के प्रति सावधान रहे। दुर्भाग्य से ऐसा होता दिख नहीं रहा। इसका ही परिणाम है कि आज हमारा मीडिया विश्वसनीयता के एक गहरे संकट से गुज़र रहा है। इस संकट के तीन बड़े कारण हैं व्यावसायिक दबाव, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सनसनीपरकता। इसके साथ ही 'सबसे पहले और सबसे आगे' का लालच भी मीडिया की विश्वसनीयता को कम कर रहा है।

घटती विश्वसनीयता का यह संकट लगातार गहराता जा रहा है। इसके कारण कुछ भी रहे हों, पर यह स्पष्ट है कि मीडिया से जनता का भरोसा लगातार कम होता जा रहा है। पता लगायेंगे तो आपको ऐसे बहुत से पाठक और बहुत से दर्शक मिल जायेंगे जिन्होंने अखबार पढ़ना छोड़ दिया है अथवा टी.वी. पर समाचार देखना बंद कर दिया है। 'राइटर्स इंस्टीट्यूट डिजिटल न्यूज़ रिपोर्ट' के वैश्विक सर्वेक्षण के अनुसार पिछले एक दशक में अखबारों, रेडियो और टेलिविजन समाचारों को पढ़ने-देखने में दो अंकों की गिरावट आयी है। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि यह केवल नये लोगों द्वारा मीडियम न अपनाने के कारण नहीं है, बल्कि पुराने पाठक-दर्शक भी अब परम्परागत मीडिया से दूर होते जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण विश्वसनीयता का घटना है।ऐसा नहीं है कि जनता की समाचारों में रुचि नहीं रही। जानना चाहते हैं लोग, पर अब उन्हें यह भी समझ आ रहा है कि मुख्यधारा का मीडिया अब अपने पाठकों-दर्शकों के बजाए अपने मालिकों के हितों के प्रति ज्यादा उदार है। ये मालिक सत्ता के पक्ष में खड़े रहने में अपना अधिक लाभ देखते हैं। आज सरकारें मीडिया को जितना लाभ दे रही हैं, वह हैरान कर देने वाला है। टी.वी. चैनलों पर सरकारी विज्ञापनों की भरमार देखकर यह बात सहज ही समझ आ जाती है कि हमारा मीडिया क्यों सरकारों से डरा-डरा रहता है। भारत सरकार ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में बताया था कि 2014 से 2022 के बीच 6491 करोड़ रुपये विज्ञापनों पर खर्च किये गये। एक निजी चैनल को, जो स्वयं को सर्वश्रेष्ठ चैनल बताता है, 15 अप्रैल 2020 से मार्च 2021 के बीच दस करोड़ चौदह लाख रुपये के विज्ञापन दिये थे। ये आंकड़े चार-पांच साल पुराने हैं, पर बहुत कुछ बता रहे हैं। कल्पना की जा सकती है कि एक महीने में सरकार से करोड़ों रुपये पाने वाला समाचार चैनल क्यों सरकार को नाराज़ करना चाहेगा?समाचार चैनलों की यह सरकारपरस्ती उनकी विश्वसनीयता को घटाने का एक बड़ा कारण है। शायद सबसे बड़ा। जंतर-मंतर में 'गोदी मीडिया' (समाचार चैनल) पर प्रदर्शनकारियों का गुस्सा शायद इसीलिए फूटा था। जानकारी तो चाहिए जनता को, पर अब वह गलत और भ्रामक जानकारी को स्वीकार करने के मूड में नहीं है।सरकार या बाज़ार या भीड़ के दबाव में आकर गलत जानकारी देने वाले हमारे मीडिया को अब यह समझना ही होगा कि विश्वसनीयता उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। विश्वसनीयता खोकर वह कहीं का नहीं रहेगा। उस दिन जो गुस्सा राजधानी दिल्ली में फूटा था, उसमें कुछ पत्रकारों पर हमला होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसका समर्थन नहीं किया जा सकता। वैसे भी, चैनल के पत्रकार तो अपने मालिकों के इशारों पर काम करते हैं। यह

वो डरे हुए लोग जो युवाओं और छात्रों को भड़का रहें

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

सड़कों पर उतरा हुआ हर युवा, हर नौजवान छात्र नहीं था क्यूंकि यह जो कुछ हुआ बीते दिनों यह एक बहुत बड़ी साजिश का रिहलसल था। सौरव दास की मनबढ़ई, जुनैद की बयानबाजी, शहजाद पुनावाला का इस्तीफा, वामपंथी अभिनेताओं की जमात सब केवल इस मुल्क की बर्बादी चाहते है। घर वापस वही लौटता है जो घर से निकला हो पर जिसे आतंक फैलाने के लिए समाज ने खुल्ला छोड़ा है वैसे पप्पुओं को कोई क्या कहे ? पचास साल की 'अधिनायकवादी' हुकूमत में आरक्षण और सवर्ण स्थिति सुधार की ओर से मुँह मोड़ने वाला हर नेता को आज दलित प्यारा है क्यूंकि सवर्ण हमेशा से चिंतनशील रहा है।बीजेपी,संघ और एनडीए ने अन्य दलों की चूलें हिला दी हैं।

भारत में भोगे गए सत्ता के सत्तर साल को भाजपा के चौदह साल ने बेकल कर दिया है। भारत में अहिंसा के एकछत्र शासन को कुछ हिंसावादियों ने कॉकरोच आंदोलन के नाम पर धाराशयी कर दिया। मोदीजी के पच्चीस सालों के लंबे राजनीतिक जीवन में यह पहला अवसर था कि सत्ता की चाहत में नेताओं ने छात्रों के सर पर बंदूक रखवा दिया। जिस देश को झुकाने में किसानों को साल भर लग गया उस भारत की रीढ़ तोड़ने के लिए नक्सलियो ने छात्र आंदोलन के आड़ में छिपकर भारत के दिल में 36 दिनों में छेद कर दिया। पवित्र सनातन का मज़ाक बनाया, अतिरंजित आत्मविश्वास की नक़ाब कब खिसक गई और परास्त शासन का असली चेहरा मुल्क के सामने कब और क्यों झुका पता ही नहीं चल पाया। देश स्तब्ध रह गया।

कथित तौर पर कुख्यात एसएफआई नेटवर्क और वामपंथी तंत्र, तकनीकी की मदद से चलने वाले फंडिंग साम्राज्य कि सूंघ तक नहीं पड़ी कि बीस जुलाई को जो मार्च संसद की तरफ़ कूच करने वाला है उसके पेट में उग्रवाद कूट कूट कर भरा है। मोदी विरोध का कितना बारूद समाया हुआ है यह उन ग़ालिबाजो के जुबान से पता चली जो अब सार्वजनिक होकर माफी मांगते दिखाई दे रहें। ऐसे में एक कहावत याद आती है क़ी जब गांव में नहीं गुदा तो क्यों मोदी विरोध में कूदा ! खैर ये सब वो है जिन्हें विपक्ष के लिए फील्डिंग सेट करनी है। विपक्ष सिर्फ़ मोदी को ही अपना दुश्मन मानकर चल रही जबकि भाजपा ना जाने कितने मोदियों से भरी पड़ी है । देश की जनता अब योगी को अपना हितैषी मानती है । मोदीजी विदेशों में बसने वाले अवसरवादी इण्डियन डायस्पोरा जेन ङ्क जी से घबराते तो वो जंतर मंतर तक पहुँच ही नहीं पाते।

संपन्नता क़ी जिंदगी जी रहा आशुतोष रांका, अभिजीत दीपके और सौरव दास को यहाँ आकर विपक्ष के लिए फील्डिंग सेट करनी पड़ी है पर इस बार आगे सपा के युवा गुंडों को किया गया है जो छात्र का छद्म भेष धर कर आराजकता फैला रहें जिसकी खबर यूपी क़ी जनता सहित पूरे देश को है। लोगो में अब कॉकरोचो के प्रति गुस्सा है। जो लोग अपने सपनों का भारत बना कर दिल्ली में अपना शांति वाला सुकून मान बैठे थे वहां तोड़फोड़ कराने वाले सीजेपी गैंग ने चौकीदार को खबरदार कर दिया है। देश के करोड़ों युवा तो असली भारत को आरक्षण और अराजकता के हुकूमत से आज़ाद कराने की तैयारी में जुटे हुए हैं ! सही पूछा जाए तो इस्तीफ़ा धर्मेंद्र प्रधान का नहीं उस पूरी सांसद गैंग का होना चाहिए जो संसद के बाहर सनातन का अपमान कर रहें। राहुल गाँधी, प्रियंका गाँधी, डिंपल यादव, कल्याण बनर्जी, पप्पू यादव, अवधेस प्रसाद, संजय सिंह जैसों का राजनिती में बने रहना भारत क़ी आंतरिक सुरक्षा को खतरा है। इन्हे वोट देने से पहले अब आपको सौ बार सोचना होगा। तत्कालीन शिक्षा मंत्री संघ से बन गए है जो अब और पीड़ादायक साबित होगा वामपंथी चाटुकारों के लिए । संघ से नाराज़ यादव क्षत्रपो , जाटवो और मुश्लिमों को भड़काकर, देश में तोड़फोड़ कराने वाले नेताओं को चुनाव लड़ने से रोकना होगा। भाजपा का निष्काम मार्गदर्शक मंडल दल-बदलुओं की बढ़ती भीड़ को आने दे रहा ताकि नक्सलवाद क़ी कमर टूट जाए जैसे बंगाल में टूटा। इन सबके बीच हाशियों पर पटके जा रहे समर्पित युवाओं को आरक्षण से राहत मिले तो राहत की साँस ले। जिस क्षण की उन्हें सालों से प्रतीक्षा है अब उसकी गूंज आरक्षण हटाओ आंदोलन से उठी है। कॉकरोचो के बीच वह मुद्दा भी चुपचाप उपस्थित हो गया। हो सकता है पार्टी अब कुछ मुद्दों पर तानाशाही का खंडहर बनने से बच जाए। लोकतंत्र का चेहरा अब बदला जाना चाहिये !वे जो स्पीकर महोदय लोकसभा में ,जो माननीय सभापति (और उपसभापति) राज्यसभा में और जो न्यायपालिका सुप्रीम कोर्ट में विराजमान है सबके संज्ञान में आया होगा कि मुल्क को आरक्षण से भी आजाद कराने क़ी जरुरत है क्यूंकि यह मासूम छात्रों क़ी बलि ले रही। जंतर मंतर पर कॉक्रोचो की जीत उन मासूम बच्चों के प्रति श्रद्धांजलि नही है जिन्होने इसलिए आत्महत्या की कि उनसे कम अंकधारी उस सीट पर चुन लिए जायेंगे जिस पर उनका हक़ होना चाहिए। सरकार की इसी भ्रष्ट व्यवस्था के कारण आत्महत्याएँ करना पड़ीं। जंतर मंतर का ख़ाली हो जाना कोई गारंटी नहीं कि सारे आंदोलन अब ख़त्म हो गए हैं अभी सवर्ण जागा है, जो आंदोलन मुल्क के अलग-अलग कोनों में चल रहे हैं उन्हें अब एक नई आवाज़ और साहस मिल गया है ! जो लोग आज सड़कों पर उतर आए वो लौट गए है लेकिन सवर्ण छात्र घरों को वापस लौटने वाला नहीं है। लौटना तो अपनी विधानसभा में दलों के उन नेताओं को होगा जो कुर्सी को बचाने के लिए मासूम बच्चों और निर्दोष लोगो को सड़क पर उतार दिए। जंतर मंतर का आंदोलन तो उस फ्लॉप फ़िल्म का सिर्फ़ ट्रेलर मात्र है जिसे हम देशहित में समझकर सपोर्ट कर रहें। विपक्ष ने सेंसर बोर्ड के ख़ौफ़ से डिब्बों में बंद करके रखा हुआ था और अब जब पुलिस एक्शन में है तो परते खुल रही और फ़िल्म अपने आप रिलीज़ हो गई।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

बम-बम भोले के जयघोष के साथ शुरू हुई कांवड़ यात्रा हरिद्वार में उमड़ा आस्था का सैलाब

सावन माह के साथ ही वीरवार को कांवड़ यात्रा शुरू हो गयी जिसमें करीब एक पखवाड़े तक विभिन्न राज्यों के करोड़ों शिवभक्त गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार तथा आसपास के क्षेत्रों में पहुंचेंगे। हर साल होने वाली इस यात्रा में सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय कर शिवभक्त हरिद्वार पहुंचते हैं और वहां से गंगा जल लेकर उससे अपने गांव या घर के शिवालय में भगवान शिव का अभिषेक करते हैं।इस दौरान हरिद्वार भगवामय नजर आता है और हर तरफ %बम बम भोले% की गूंज सुनाई देती है। अखाड़ा परिषद और मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी के अनुसार, शिव को जल अतिप्रिय है, इसलिए शिवभक्त हरिद्वार से गंगा जल ले जाकर अपने शिवालयों मे शिव का जलाभिषेक करते हैं। अधिकारियों को इस यात्रा में चार करोड़ से अधिक कांवड़ियों के हरिद्वार पंहुचने की उम्मीद है जिसे देखते हुए प्रशासन ने उनकी सुविधा और सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं।कांवड़ यात्रा के मद्देनजर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से लेकर तमाम आला अधिकारी बैठकें कर सुरक्षा इंतजामों को लेकर चर्चा कर चुके हैं जबकि पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के साथ भी यात्रा को सुचारू रूप से संपन्न कराने को लेकर समन्वय स्थापित किया गया है। हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नवनीत सिंह ने बताया कि कांवड़ मेले को सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस पूरी तरह तैयार है। । सिंह ने बताया कि कांवड़ मेले के दौरान पहली बार सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए %साइबर कमांडो% तैनात किए गए हैं, जो भ्रामक, फर्जी और एआई से निर्मित वीडियो पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

कानपुर। बीपीएस न्यूज परिवार के सदस्य आशीष शर्मा का जन्मदिन उनके निवास स्थान 6 नम्बर गेट किदवई नगर में मनाया गया।

राजकीय पॉलीटेक्निक को मिलेगी नई पहचान, बन रहा टाटा टेक्नोलॉजीज का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

डीएम ने निर्माण कार्य का किया निरीक्षण समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य के दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गुरुदेव चौराहा स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक में टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से स्थापित किए जा रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। गुरुवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने निर्माणाधीन परियोजना का स्थलीय निरीक्षण कर कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। राजकीय पॉलिटेक्निक के छात्र-छात्राओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण की सुविधा शीघ्र उपलब्ध कराई जाए।

निरीक्षण के दौरान उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद, निर्माण खंड कानपुर-01 के अधिशासी अभियंता फराज़ असलम ने बताया कि 706.75 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन इस परियोजना का कार्य 21 मई 2026 से प्रारंभ हुआ है। परियोजना को 20 मई 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है। प्रथम किश्त के रूप में 353.37 लाख रुपये अवमुक्त किए जा चुके हैं, जिनमें से अब तक 86.38 लाख रुपये व्यय किए जा चुके हैं। वर्तमान में परियोजना की भौतिक प्रगति लगभग पांच प्रतिशत है तथा फाउंडेशन एवं पेडेस्टल कास्टिंग का कार्य प्रगति पर है।

प्रस्तावित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जी प्लस टू प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें आधुनिक प्रयोगशालाएं, तकनीकी वर्कशॉप, डिजिटल प्रशिक्षण कक्ष, वीसैट स्टूडियो, कौशल विकास के लिए समर्पित लैब स्पेस तथा अन्य अत्याधुनिक आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक एवं रोजगारपरक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध होगा। इससे तकनीकी दक्षता और रोजगार क्षमता को मजबूती मिलेगी।प्रदेश के अग्रणी राजकीय पॉलिटेक्निक को मिलेगा नया आयाम

प्रदेश के अग्रणी राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों में शामिल यह संस्थान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के बाद तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में और सशक्त होगा। आधुनिक प्रयोगशालाओं, उद्योग आधारित प्रशिक्षण सुविधाओं तथा व्यावहारिक शिक्षण व्यवस्था से विद्यार्थियों को बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास का अवसर मिलेगा। संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता और रोजगारपरक शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

तकनीकी शिक्षा को उद्योगों से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि राजकीय पॉलिटेक्निक पहले से ही प्रदेश के अग्रणी तकनीकी शिक्षण संस्थानों में शामिल है। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से स्थापित हो रहा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसकी गुणवत्ता और उपयोगिता को नई ऊंचाई देगा। विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी वातावरण में उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण मिलेगा। उनका कौशल विकास होगा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों एवं समयबद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए। नियमित मॉनिटरिंग के साथ परियोजना निर्धारित अवधि में पूरी की जाए। विद्यार्थियों को इसका लाभ जल्द उपलब्ध कराया जाए।

आगामी श्रावण मास के दृष्टिगत अधिकारियों ने किया आनन्देश्वर मन्दिर का निरीक्षण

सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की तैयारियों का लिया गया जायजा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी श्रावण मास के दृष्टिगत जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव एवं अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल डॉ. अर्चना सिंह द्वारा थाना ग्वालटोली क्षेत्रान्तर्गत स्थित श्री आनन्देश्वर मन्दिर, परमट का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान मन्दिर परिसर, दर्शन मार्ग, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। साथ ही मन्दिर के संचालकों एवं मुख्य पुजारी से वार्ता कर श्रावण मास में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम एवं सुरक्षित दर्शन तथा भीड़ प्रबंधन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुचारु वातावरण उपलब्ध कराया जा सके तथा कानून-व्यवस्था पूर्णतः बनाए रखी जा सके।

छात्रवृत्ति आवेदन से पहले दुरुस्त करा लें आधार बैंक खाता और दस्तावेजों की त्रुटियां

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति तथा शुल्क प्रतिपूर्ति योजना 2026-27 के सफल क्रियान्वयन के संबंध में जनपद स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्कॉलरशिप योजना के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गरीब विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाती है। यह योजना हजारों विद्यार्थियों के सपनों से जुड़ी है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद के 1,06,523 विद्यार्थियों को लगभग 300 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति उपलब्ध कराई गई। गत वर्ष सामान्य वर्ग एवं अनुसूचित जाति वर्ग के 43,219 विद्यार्थियों, पिछड़ा वर्ग के 54,441 विद्यार्थियों तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 8863 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पात्र विद्यार्थियों का बैंक खाता समय से खुलवाना सुनिश्चित किया जाए। सभी शैक्षणिक संस्थान विद्यार्थियों को बैंक खाता खुलवाने के लिए प्रेरित करें। आधार एवं पैन नंबर का लिंक होना अनिवार्य है। बैंक खाते की एनपीसीआई मैपिंग होगी तथा बैंक खाता सक्रिय होना चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि छात्रवृत्ति आवेदन के लिए पिता का आय प्रमाण पत्र अनिवार्य है। यदि पिता का निधन हो चुका है तो माता का आय प्रमाण पत्र तथा माता-पिता दोनों के न होने पर अभिभावक का आय प्रमाण पत्र लगाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थी किसी भी दशा में अपना स्वयं का आय प्रमाण पत्र आवेदन के साथ न लगाएं। यदि कोई विद्यार्थी अपना आय प्रमाण पत्र लगाएगा तो उसका आवेदन निरस्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति की पात्रता रखने वाले सभी विद्यार्थी समय रहते आधार कार्ड से संबंधित त्रुटियों का संशोधन करा लें, जिससे बैंक खाता आसानी से खुल सके।

समाज कल्याण अधिकारी शिवम सागर ने बताया कि पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति तथा शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत पूर्व दशम शैक्षणिक शैक्षणिक संस्थानों को अपना मास्टर डाटा सत्यापन 5 अगस्त से पूर्व पूरा करना है,

जबकि दशमोत्तर वाले शैक्षणिक संस्थान 15 अगस्त तक मास्टर डाटा का सत्यापन करें। पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत नए आवेदन 11 अगस्त से 21 सितंबर तक किए जा सकेंगे, जबकि नवीनीकरण के आवेदन 11 अगस्त से 25 अगस्त के मध्य किए जा सकेंगे। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत नए आवेदन 15 सितंबर से 31 अक्टूबर के मध्य तथा नवीनीकरण के आवेदन 15 सितंबर से 15 अक्टूबर के मध्य किए जा सकेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि आवेदन करते समय विद्यार्थी डाटा अत्यंत सावधानी से भरें। यह सुनिश्चित किया जाए कि आवेदन पत्र में कोई भी आवश्यक प्रविष्टि अथवा अभिलेख छूटने न पाए। उन्होंने योजना की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समयावधि में समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराई जाएं, जिससे शासन की मंशा के अनुरूप जरूरतमंद विद्यार्थियों की पढ़ाई में समय पर सहायता सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, समाज कल्याण अधिकारी शिवम सागर, एडीआईओएस प्रशांत द्विवेदी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिनिधि एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

डायरिया के खिलाफ अभियान, डॉक्टरों ने बांटे ओआरएस के पैकेट

कानपुर। भारतीय बालरोग अकादमी कानपुर द्वारा अंजलि हॉस्पिटल श्याम नगर में ओ आर एस पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 25 नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर आशीष श्रीवास्तव, डॉ रितु श्रीवास्तव ने किया।डॉक्टर आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि भारतवर्ष में डायरिया से मरने वाले बच्चों में चार बच्चों में एक बच्चा उत्तर प्रदेश का होता है डायरिया में मृत्यु का एकमात्र कारण शरीर में पानी की कमी है जिसको ओ आर एस देने से रोका जा सकता है बच्चों में 70 से 80 प्रतिशत वायरल के कारण डायरिया होता है डायरिया में एंटीबायोटिक का प्रयोग नहीं करना चाहिए।डॉक्टर रितु श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चे को बार-बार दस्त हो रहे हो, उल्टी न रुक रही हो, पेशाब कम हो रही हो तो यह सब खतरे के लक्षण होते हैं ऐसे में बच्चों को तुरंत भर्ती कराना चाहिए। दूसरा कार्यक्रम ओ आर एस पर डॉ शैलेंद्र गौतम ने ओ पी डी हैलेट में किया उन्होंने ओ आर एस के बारे मे जानकारी दी व साबुन और ओ आर एस के पैकेट जनमानस को बांटे।

श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) ने किया रामादेवी चौराहे का निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा द्वारा रामादेवी चौराहा एवं जाजमऊ क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अपर पुलिस उपायुक्त यातायात कपिल देव सिंह भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, डायवर्जन, पार्किंग एवं पुलिस बल की तैनाती सहित समस्त सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया गया। खगोलशास्त्र

अधिकारियों एवं ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बनाए रखें, यातायात को निर्बाध संचालित करें, आपातकालीन सेवाओं के आवागमन में बाधा न आने दें तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

21 लाख की चोरी का पुलिस ने किया खुलासा 2 शातिर चोर गिरफ्तार माल हुआ बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि थाना हनुमंत विहार पुलिस ने पीएसी कर्मी के घर हुई 21 लाख की चोरी के मामले (मु0अ0सं0 174/2026) का सफल अनावरण करते हुए 2 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया तथा चोरी गया शत-प्रतिशत माल बरामद किया।अभियुक्तों की पहचान पवन उर्फ रवि चौरसिया एवं राहुल कनौजिया के रूप में हुई है। दोनों के विरुद्ध कानपुर सहित विभिन्न जनपदों में चोरी एवं अन्य अपराधों के अनेक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने त्रिनेत्र सीसीटीवी कैमरों, तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी के जेवरात, नकदी एवं अन्य सामान बरामद किया। अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जनपद भर में डेयरियों और मिष्ठान भंडारों पर छापेमारी, 25 किलो रंगीन फिंगर चिप्स नष्ट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के आदेश एवं सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय संजय प्रताप सिंह के निर्देशों के क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए पूरे जनपद में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई से हड़कंप मचा रहा। टीम ने विभिन्न नामी डेयरियों, रेस्टोरेंट और दुकानों से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए, वहीं असुरक्षित पाए गए 25 किलोग्राम रंगीन फिंगर चिप्स को मौके पर ही विनष्ट कराया।

विभिन्न प्रतिष्ठानों से लिए गए नमूने

अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए नमूने संगृहीत किए=

ठाकुर दूध डेरी (बर्रा)= दूध व पनीर

गोवर्धन डेरी (घाटमपुर)= मिश्रित दूध

पांडेय स्वीट एंड नमकीन (घाटमपुर)= पनीर

राठौर दूध डेयरी (पनकी)= पनीर

गोपाल दूध भंडार (रामनारायण मार्केट)= भैंस का दूध

गुलशन डेरी (फजलगंज)= दही

स्पाइसी फूड (किदवई नगर)= सांभर व चिली पनीर

जवाहर नगर= कुल्फी

एकत्र किए गए सभी नमूनों को प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

25 किलो अमानक फिंगर चिप्स कराए विनष्ट

कार्रवाई के दौरान मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और विक्रय हेतु भंडारित 25 किलोग्राम रंगीन फिंगर चिप्स को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने अपनी मौजूदगी में नष्ट करवा दिया, ताकि इन्हें बाजार में न बेचा जा सके।

कारोबारियों को स्वच्छता व सतर्कता के निर्देश

नमूना संग्रहण के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खाद्य कारोबारकर्ताओं को जागरूक भी किया। बारिश के मौसम को देखते हुए अधिकारियों ने कड़े निर्देश दिए कि सभी खाद्य पदार्थों को पूरी तरह ढक कर रखा जाए और प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे संक्रामक बीमारियों व खाद्य विषाक्तता (फूड प्वाइजनिंग) से बचाव हो सके।

यूपी टी-20 लीग में शंकर महादेवन छेड़ेंगे सुरों का जादू, इकाना स्टेडियम में होगा चौथे सीजन का आगाज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । उत्तर प्रदेश टी-20 लीग के चौथे सीजन का भव्य आगाज 14 अगस्त से इकाना स्टेडियम में होगा। उद्घाटन समारोह को यादगार बनाने के लिए प्रसिद्ध गायक शंकर महादेवन अपनी प्रस्तुति देंगे। यहां मशहूर गायिका जैस्मीन सैंडलास भी मंच साझा करेंगी। आतिशबाजी और आकर्षक ड्रोन शो मुख्य आकर्षण रहेगा।

यूपी टी-20 लीग की गवर्निंग काउंसिल ने पहले प्रस्तावित सितार वादक रिषभ रिखीराम की जगह शंकर महादेवन को आमंत्रित किया है। उनके देशभक्ति गीत और लोकप्रिय बॉलीवुड गीतों की प्रस्तुतियों खेल प्रेमियों का उत्साह बढ़ाएंगी। शंकर महादेवन लंबे समय बाद किसी प्रमुख क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगे। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद लीग के पहले मुकाबले के साथ चौथे सीजन का रोमांच शुरू होगा। इस बार लीग के मुकाबले लखनऊ और कानपुर दोनों शहरों में खेले जाएंगे।

बार एसोसिएशन को 15 दिन का अल्टीमेटम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बाद 'बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश' ने प्रदेश के सभी बार एसोसिएशन को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। दिये गए आदेश के तहत, ऐसे वकीलों की पूरी सूची 15 दिन के भीतर हर हाल में बार काउंसिल को सौंपनी होगी, जिनके खिलाफ गंभीर अपराधों में स्रद्धक्र दर्ज है। चार्जशीट दाखिल हो चुकी है या कोर्ट में केस (ट्रायल) पेंडिंग है। बार काउंसिल ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जो बार एसोसिएशन 15 दिन में यह लिस्ट नहीं देंगे, उनकी मान्यता तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी जाएगी।

साथ ही, ऐसे एसोसिएशन के वकीलों को किसी भी कल्याणकारी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। आदेश की अनदेखी को सीधे 'हाईकोर्ट की अवमानना' माना जाएगा।

नरवल तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को नरवल तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। समाधान दिवस में कुल 181 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 10 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में एक से अधिक पक्षकार हों, उनमें सभी पक्षों से वार्ता कर संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित किया जाए। भूमि विवाद से संबंधित प्रकरणों में सभी पक्षकारों को अनिवार्य रूप से सुना जाए। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित सात दिनों की समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश भी दिए।

समाधान दिवस के दौरान कई मामलों का मौके पर निस्तारण कर शिकायतकर्ताओं को राहत दिलाई गई। ग्राम जरकला निवासी रामनारायन का बैंक ऋण चुकाने के बावजूद बंधक मुक्ति का मामला एलडीएम ने तत्काल निस्तारित कराया। ग्राम मंधना निवासी बदलू प्रसाद की पत्नी के निधन के बाद राशन कार्ड में मुखिया परिवर्तन का प्रकरण पूर्ति निरीक्षक ने मौके पर ही निपटाया। मोनी पत्नी स्व. अवध कुमार की बंद विधवा पेंशन पुनः संचालित कराने के लिए बीडीओ सरसौल ने आवश्यक कार्रवाई की। वहीं ग्राम तिस्मा निवासी संजय तिवारी के खतौनी में नाम संशोधन, ग्राम सरसौल निवासी विकास शुक्ला के खतौनी में अंश संशोधन, ग्राम दौलतपुर नरवल निवासी कमलेश कुमार के वरासत संबंधी प्रकरण तथा ग्राम हाथीपुर निवासी श्याम सिंह की पत्नी का नाम खतौनी के मूल कॉलम में दर्ज कराने के मामलों का भी मौके पर निस्तारण कर शिकायतकर्ताओं को राहत प्रदान की गई।प्राप्त प्रकरणों में राजस्व विभाग से संबंधित 111, पुलिस के 15, राजस्व एवं पुलिस के संयुक्त 16, चकबंदी के 17, विकास विभाग के 11, विद्युत विभाग के तीन, स्वास्थ्य विभाग के दो तथा शेष प्रकरण अन्य विभागों से संबंधित थे।संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, उपजिलाधिकारी नरवल सत्यपाल प्रजापति, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पैरामेडिकल स्टाफ पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय बाल रोग अकादमी द्वारा मनाये जा रहे विश्व ओ.आर.एस. सप्ताह के अवसर पर प्रखर हास्पिटल आर्य नगर में पैरामेडिकल स्टाफ पर कार्यक्रम आयोजन किया गया । कार्यक्रम का संचालन डा अमित चावला , डा वी.एन. त्रिपाठी और डॉ शैलेंद्र गौतम ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डा अमित चावला ने बताया कि आज भी दुनिया में 40त्न बच्चों को डायरिया का सही इलाज नहीं मिल पाता है। डायरिया एक गम्भीर बिमारी है, सम्पन्न देशों में आज भी निमोनिया के बाद डायरिया दूसरी सबसे बड़ी खतरनाक बीमारी मानी जाती है। ओ.आर.एस. घोल और ओरल डीहाईड्रेशन थेरेपी यानी ओ.आर.एस की शुरुआत सन1978 में डब्ल्यू. एच.ओ ने उसकी उपलब्धि समान से की थी इससे डायरिया से होने वाली मौतों की संख्या में कमी पाई गई।

डॉक्टर वी एन त्रिपाठी ने बताया कि शिशुओ में होने वाले डायरिया को नजरंदाज करना गम्भीर हो सकता है यदि आप का शिशु बार बार दस्त उल्टी और पेट में ऐठन के साथ पेशाब का कम होना, मुह का सूखना, थकान चिड़चिड़ापन, धंसी हुई ऑखें खतरे के लक्षण हैं ऐसे में तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

सचिव डॉ शैलेंद्र गौतम ने इस वर्ष की थीम के विषय मे विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अन्त में नर्सिंग स्टॉफ से ओ आर एस से संबंधित प्रश्न पूंछे गए और विजेता को पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया।

हाईकोर्ट की सख्ती बरकरार, अधिकारियों को अंतिम अवसर

आदेश का पालन न होने पर फिर होगी अवमानना की कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर ब्लॉक-8 स्थित सार्वजनिक पार्क में अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। माननीय न्यायमूर्ति विकास बुधवार की एकलपीठ ने अवमानना याचिका की सुनवाई करते हुए प्रथम दृष्टया माना कि 22 अप्रैल 2026 को पारित आदेश की अवहेलना का मामला बनता है।

हालांकि, न्यायालय ने इस स्तर पर नोटिस जारी किए बिना संबंधित अधिकारियों को एक माह का अंतिम अवसर देते हुए निर्देश दिया है कि पूर्व आदेश का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आदेश के अनुपालन की सूचना याची को भी उपलब्ध कराने को कहा गया है। यदि आदेश का पालन नहीं किया जाता है, तो याची को पुनः न्यायालय आकर अवमानना की कार्यवाही आगे बढ़ाने की स्वतंत्रता दी गई है।

गौरतलब है कि जनहित याचिका में हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि नगर निगम एवं कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के अभिलेखों में ब्लॉक-8 पार्क/खेल मैदान के रूप में दर्ज सार्वजनिक भूमि का उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने जिला मजिस्ट्रेट, नगर आयुक्त एवं केडीए उपाध्यक्ष को निर्देश दिया था कि पार्क को अतिक्रमणमुक्त कर उसका मूल स्वरूप बहाल किया जाए तथा भविष्य में उसका उपयोग केवल पार्क एवं खेल मैदान के रूप में ही सुनिश्चित किया जाए।

अवमानना याचिका में कहा गया है कि 29 अप्रैल 2026 को न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई थी, लेकिन तीन माह से अधिक समय बीतने के बाद भी आदेश का पालन नहीं किया गया। इसके विपरीत पार्क का मूल स्वरूप बहाल करने के बजाय विवादित निर्माणों को यथावत बनाए रखा गया।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि नगर निगम ने कथित विकास कार्यों के नाम पर पार्क में पहले से मौजूद अवैध निर्माणों की अनदेखी करते हुए तथा अवैध कब्जेदारों से मिलीभगत कर नगर निगम के पार्क के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से पर नियमों के विपरीत इंटरलॉकिंग बिछा दी। इससे पार्क का हरित क्षेत्र और मूल स्वरूप गंभीर रूप से प्रभावित हुआ तथा वर्षों पुराना हरा-भरा सार्वजनिक पार्क कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो गया। आरोप है कि यह कार्य न केवल सार्वजनिक पार्क के उद्देश्य के विपरीत है, बल्कि माननीय हाईकोर्ट के आदेश की भावना के भी प्रतिकूल है।

याची प्रकाश वीर आर्य ने गंभीर आरोप लगाया कि माननीय हाईकोर्ट की आंखों में धूल झोंकने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 2026 के आदेश के बाद नगर निगम ने रातोंरात पार्क के भीतर लगे तथाकथित विकास कार्यों के मूल शिलापट्ट को, जिस पर ÷ब्लॉक-8 पार्क÷ अंकित था, हटाकर उसकी जगह ÷बालाजी पार्क÷ नाम का नया शिलापट्ट स्थापित कर दिया। उनका कहना है कि यह परिवर्तन न्यायालय के समक्ष वास्तविक स्थिति को प्रभावित करने के उद्देश्य से किया गया।

उन्होंने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत नगर निगम के उद्यान अधीक्षक द्वारा उपलब्ध कराई गई आधिकारिक सूचना में भी संबंधित स्थल का नाम ÷ब्लॉक-8 पार्क÷ ही दर्ज है। ऐसे में अभिलेखों के विपरीत नया शिलापट्ट लगाए जाने से नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं।

ब्लॉक-8 निवासी जे.पी. दुबे, एडवोकेट ने कहा कि यह मामला केवल एक पार्क का नहीं, बल्कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की गरिमा, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा तथा कानून के शासन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अभिलेखों के विपरीत शिलापट्ट बदला गया तथा अवैध निर्माणों को संरक्षण देते हुए पार्क के अधिकांश हिस्से को कंक्रीट में बदल दिया गया, तो पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

इसी बीच केस्को की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। केस्को की जांच आख्या में उल्लेख किया गया है कि विवादित परिसर को क्षेत्रीय पार्षद द्वारा दिए गए एनओसी एवं अन्य प्रपत्रों के आधार पर नया विद्युत संयोजन स्वीकृत किया गया।

केस्को यह स्पष्ट नहीं कर सका कि किस कानून, नियम या शासनादेश के तहत किसी नगर निगम पार्षद को सार्वजनिक पार्क की भूमि पर बने निर्माण के लिए एनओसी जारी करने का अधिकार प्राप्त है। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि सार्वजनिक पार्क के रूप में दर्ज भूमि और हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद सक्षम प्राधिकारी से सत्यापन किए बिना विद्युत संयोजन प्रदान करना नियमों के विपरीत है।

अब पूरे शहर की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि एक माह की अवधि में संबंधित अधिकारी हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हैं या नहीं। यदि निर्धारित अवधि में आदेश का अनुपालन नहीं हुआ, तो मामला पुनः हाईकोर्ट पहुंचेगा और संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही आगे बढ़ सकती है।

जल्द ही परिषदीय स्कूलों के बच्चों को मिलेगी ताजी शुद्ध हवा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार बढते प्रदूषण के कारण वातावरण की हवाओं पर भी इसका असर बढ रहा है, विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य को यह प्रदूषित हवा प्रभावित कर रही है। अब इसके लिए प्रयास किए जा रहे है, जिसके अंतर्गत परिषदीय स्कूलों में हवा की गुणवत्ता जांचने वाले सेंसर जल्द ही लग जायेगे।

हवा की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए आईआईअी के कोटक सकूल आफ सस्टेनेबिलिटी के वैज्ञानियों द्वारा 15 परिषदीय स्कूलों में वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए सेंसर लगाने का निर्णय बीते दिनों किया गया। इस सॅबन्ध में बीएसए हरिओम सिंह ने बताया कि आइआइटी की ओर में 15 स्कूलों में सेंसर लगाने की लिए प्रस्ताव मिला था, जिसे मंजूरी दी जा चुकी है और जल्द ही स्कूलों में सेंसर लग जायेगे। बता दे कि शहर स्तरीय वायु गुणवत्ता निगरानी व इंटेलीजेंट डिसीजन सपोर्ट सिस्टम की पहल पर आइआइटी का एयरावत रिसर्च फाउंडेशन नगर निगम के समन्वय से कार्य कर रहा है,जिसके लिए पूरे शहर में कम लागत वाले वयू गुणवत्ता सेंसरों का एक सघन नेटवर्क स्थापित किया जाना है।

बताया गया कि वायु सेंसर ऐसे 15 स्कूलों में आइआइटी द्वारा लगाया जायेगा जहां पर ईंट के भटठे औधोगिक क्षेत्र है और ऐसे स्थानों पर वाये की गुणवत्ता को जांचा जायेगा, जिससे वायू गुणवत्ता की निगरानी को और सुदृढ करने में सहायता मिलेगी।

स्टेट कबड्डी प्रतियोगिता के लिए विश्विधालय में लगाया गया कैंप

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 27 जुलाई से दो अगस्त तक कानपुर विश्वविधालय में स्टेट कबडडी प्रतियोगिता के खिलालियों के लिए कैंप का आयोजन किया गया है, जिसमें खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन किया जायेगा।

बतादें के आगामी 3 अगस्त से 6 अगस्त तक राज्य स्तरीय सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन आगरा में हाने जा रहा है, जिसमें कानपुर की टीम ही भागीदारी करेगी। इस प्रतियोगिा में जाने वाली टीम के खिलाडियों के लिए जिला और मंडलीय ट्रायल संपन्न कराये जा चुके है।

इस दौरान कानपुर नगर तथा देहात सहित कन्नौज व फर्रूखाबाद के खिलाडियों ने अपने श्रेंष्ठ प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा को साबित किया और इस आधार पर 36 खिलाडियों का चयन भी किया गया, जिन्हे कानपुर विश्वविधालय में 27 जुलाई से लगने वाले कैंप में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना होगा और प्रदर्शन के आधार पर खिलाडियों का टीम में चयन किया जायेगा।

बरामद मोबाइल फोन को शीघ्र उनके स्वामियों को सौंपा जाए: पुलिस उपायुक्त दक्षिण

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा CEIR Portal के संबंध में की गयी समीक्षा बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा दक्षिण जोन के समस्त थानों पर कार्यरत पुलिसकर्मियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरानप्राप्त शिकायतों, मोबाइल फोन की ट्रेसिंग एवं बरामदगी की प्रगति तथा लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस उपायुक्त ने निर्देशित किया कि पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा गुम अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन की शीघ्र ट्रेसिंग एवं बरामदगी हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाए।सभी संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का नियमित अनुश्रवण किया जाए, पोर्टल पर आवश्यक सूचनाओं को समय से अद्यतन रखा जाए तथा शिकायतकर्ताओं से निरंतर संपर्क स्थापित कर उन्हें प्रकरण की प्रगति से अवगत कराया जाए। साथ ही बरामद मोबाइल फोन को नियमानुसार शीघ्र उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में CEIR Portal के प्रभावी संचालन, तकनीकी समन्वय एवं कार्यप्रणाली में सुधार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने कहा कि आमजन के गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन की शीघ्र बरामदगी पुलिस की प्राथमिकताओं में है। इस कार्य में सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी निष्ठा एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें, जिससे अधिकाधिक शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित हो सके।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विकास खण्ड बिल्हौर की ग्राम पंचायत में कराये गये कार्यो का किया गया स्थलीय निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अभिनव जे0 जैन, मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर द्वारा विकास खण्ड बिल्हौर की ग्राम पंचायत क्रमशः पूरा, बिल्हौर देहात, मकनपुर एवं संजती बादशाहपुर में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में कराये गये कार्यो का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के समय मनोज कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी कानपुर नगर एवं खण्ड विकास अधिकारी बिल्हौर सहित अन्य विकास खण्ड स्तरीय कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के समय ग्राम पंचायत पूरा में कराये गये इण्टरलॉकिंग कार्य संतोषजनक न पाये जाने के कारण राज कुमार, अवर अभियंता का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये वेतन बाधित करने के निर्देश दिये गये, साथ ही सम्बन्धित सचिव सलोनी कुशवाहा, ग्रा0पं0अ0 एवं तत्कालीन सचिव सत्यम, ग्रा0पं0अ0 का पत्रावलियों का सही ढंग से रख-रखाव न करने के कारण स्पष्टीकरण पत्र निर्गत करते हुये वेतन बाधित करने के निर्देश दिये गये।

ग्रा0पं0 बिल्हौर देहात में नियमानुसार पंचम वित्त आयोग में उपलब्ध धनराशि को मानक से अधिक व्यय किया जाना पाया गया,

जिसके सम्बन्ध में सम्बन्धित सचिव सुरेश चन्द्र का स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुये वेतन बाधित करने के निर्देश दिये गये। संजती बादशाहपुर में अंत्येष्टि स्थल निर्माण की पत्रावली में पाई गई कमियों हेतु कन्सल्टिंग इंजीनियर नितिन कश्यप का स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी कानपुर नगर को दिये गये। उक्त ग्राम पंचायत में निर्मित किये गये खेल के मैदान के कार्य में भी कमियां पाये जाने पर अरूण सोनकर, ग्रा0पं0अ0 को 02 दिवस में कार्य पूर्ण करने के निर्देश के साथ उक्त लापराही हेतु वेतन रोके जाने के निर्देश दिये गये।मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर द्वारा कम्पोजिट विद्यालय बिल्हौर देहात का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय बच्चो के शैक्षित स्तर की जांच की गई एवं सम्बन्धित प्रधानाचार्या को बच्चों के पंजीकरण बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गये एवं विद्यालय को निपुण बनाये जाने के भी निर्देश दिये गये।ग्राम पंचायत मकनपुर में ऐतिहासिक दरगाह का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय दरगाह के पास कूड़े का ढेर जमा पाया गया जिसे तत्काल हटाये जाने के निर्देश सहायक विकास अधिकारी पंचायत बिल्हौर को दिये गये।ग्राम पंचायत सिघौली में अरूण पाठक मा0 सदस्य विधान परिषद की अध्यक्षता में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वावलंबन बनाये जाने हेतु आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुये स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को एन0आर0एल0एम0 योजना से प्राप्त होने वाली धनराशि से स्वांवलंबी बनाये जाने हेतु महिलाओं को जागरूक किया गया एवं विकास खण्ड स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी बिल्हौर एवं सहायक विकास अधिकारी (आई0एस0बी0) को 03-08-2026 को ग्राम पंचायत में उपस्थिति होकर समूहो की बैठक करते हुये योजनओं से लाभान्वित कराये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अभियुक्त को 3 माह के लिए किया जिला बदर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की गई प्रभावी कार्यवाही के क्रम में अभियुक्त रामजी तिवारी उर्फ नितिन तिवारी पुत्र गुड्डू उर्फ राजकुमार तिवारी, निवासी ग्राम धरमगदपुर, थाना सचेंडी, जनपद कानपुर नगर के विरुद्ध जिला बदर की कार्यवाही की गई है।सक्षम प्राधिकारी के आदेशानुसार अभियुक्त को 3 माह की अवधि के लिए जनपद कानपुर नगर की राजस्व सीमाओं से निष्कासित (जिला बदर) किया गया है। आदेश का उल्लंघन किए जाने पर अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

विवाद के बाद तीन लोगों पर फेंकी गई खौलती चाय, झुलसे लोगों को भिजवाया गया अस्पताल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना जाजमऊ क्षेत्रान्तर्गत मखदूम नगर, दरगाह शरीफ में सामान लेने को लेकर हुए विवाद के बाद एक पक्ष के तीन लोगों पर खौलती चाय फेंकने की घटना सामने आई, जिससे तीनों झुलस गए।इस पूरे प्रकरण पर सहायक पुलिस आयुक्त छावनी, प्रियंका वाजपेयी ने बताया कि दरगाह शरीफ में सामान लेने को लेकर हुए विवाद के बाद एक पक्ष के तीन लोगों पर खौलती चाय फेंकने की घटना सामने आई, जिससे तीनों झुलस गए, सूचना प्राप्त होते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची तथा घायलों को उपचार हेतु कांशीराम अस्पताल भिजवाया गया।प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। प्रकरण में साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चोरी मामले में अभियुक्तों के साथ संबंधित महिला को भी किया गया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना चकेरी क्षेत्रान्तर्गत श्यामनगर स्थित एक मकान में चोरी के उद्देश्य से घुसे दो व्यक्तियों को घर की महिलाओं द्वारा शोर मचाए जाने पर मौके से भागना पड़ा था। घटनास्थल के पास से उनके द्वारा छोड़े गए लोहे की रॉड, कटर मशीन, कपड़े आदि सामान बरामद किए गए थे।सहायक पुलिस आयुक्त चकेरी आशुतोष कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि प्रकरण की गहन विवेचना एवं पूछताछ के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि दोनों अभियुक्तों का पीड़ित परिवार की एक महिला से पूर्व परिचय एवं मित्रता थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इसी परिचय का लाभ उठाकर चोरी की घटना की योजना बनाई गई थी।उक्त प्रकरण में साक्ष्यों के आधार पर 26 जुलाई को पुलिस द्वारा दोनों अभियुक्तों के साथ संबंधित महिला को भी गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

कलेक्टरगंज सब्जी मंडी की दुकान में लगी आग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मारवाड़ी विद्यालय के पास सब्जी मंडी कलेक्टरगंज दुकान में आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने डिलीवरी होज पाइप के माध्यम से आग को कम समय में ही बुझा लिया।बताया जाता है कि मिनी कंट्रोल रूम द्वारा सूचना मिली कि मारवाड़ी विद्यालय के पास सब्जी मंडी क्रस कलेक्टरगंज में दुकान में आग लगी है। सूचना को तत्काल अमल में लाते हुए फायर स्टेशन लाटूश रोड से दो गाड़ी और फायर स्टेशन करनैलगंज से एक वाटर टेंडर को प्रस्थान कराया गया। घटनास्थल पर पहुंच कर देखा गया कि बंद दुकान में आग लगी थी।तत्काल ताले को खोलकर एक डिलीवरी होज पाइप के माध्यम से आग को कम समय में ही बुझा लिया गया। अगल-बगल किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होने दिया गया किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई।

बर्धमान के पॉश इलाके से जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी गिरफ्तार, मुख्यमंत्री के आने-जाने की करता था रेकी

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पूर्व बर्धमान जिले के बर्धमान शहर के एक रिहायशी इलाके से आतंकी गतिविधियों के संदेह में एक युवक को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ का दावा है कि गिरफ्तार युवक का संबंध प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से है। उसकी पहचान हमीद मंडल के रूप में हुई है। हालांकि, जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि उसने यह नाम असली पहचान के तौर पर इस्तेमाल किया था या फर्जी नाम से रह रहा था। गिरफ्तार आरोपित को शुक्रवार को बर्धमान अदालत में पेश किया जा रहा है।जांच एजेंसियों के अनुसार, हमीद मंडल को दुर्गापुर एक्सप्रेसवे के पास स्थित रेनेसां कॉम्प्लेक्स नामक आवासीय परिसर से गिरफ्तार किया गया। वह वहां किराये के एक फ्लैट में रह रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इससे पहले वह न्यूटाउन के एक फ्लैट में भी किराये पर रह चुका है।एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, न्यूटाउन में जिस इलाके में वह रहता था, वह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के फ्लैट से अधिक दूर नहीं है। इसी वजह से जांच एजेंसियां उसके वहां रहने के उद्देश्य और गतिविधियों की गहन पड़ताल कर रही हैं।जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित मुख्यमंत्री की आवाजाही पर नजर रखता था। एसटीएफ सूत्रों का दावा है कि उसने उन मार्गों की रेकी भी की थी, जिनका इस्तेमाल मुख्यमंत्री न्यूटाउन स्थित आवास तक आने-जाने के लिए करते थे। टावर लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच में यह भी पता चला है कि वह जैश-ए-मोहम्मद के हैंडलरों के नियमित संपर्क में था।कुछ सूत्रों का यह भी दावा है कि गिरफ्तार युवक पाकिस्तान का नागरिक हो सकता है।

आईबी अफसर अंकित शर्मा के हत्यारे ताहिर हुसैन को उम्रकैद

6 साल पहले दिल्ली के दंगे में बेरहमी से मार फेंका था नाले में

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । अंकित शर्मा का यह हत्याकांड दिल्ली दंगों के सबसे काले अध्यायों में से एक है, लेकिन अब इस फैसले से पीड़ित परिवार को न्याय की एक बड़ी उम्मीद मिली है। आइए जानते हैं 24 फरवरी 2020 की शाम को अंकित के साथ क्या हुआ था?

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की बेहद क्रूरता से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने न्याय करते हुए पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद ताहिर हुसैन सहित पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस फैसले ने एक बार फिर 24 फरवरी 2020 के उस खौफनाक दिन की यादें ताजा कर दी हैं, जब दंगाइयों ने इंसानियत की सारी हदें पार करते हुए एक होनहार अधिकारी की बेरहमी से जान ले ली थी।

24 फरवरी 2020 के उस काले दिन का पूरा घटनाक्रम

नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थकों और विरोधियों के बीच शुरू हुई झड़पों ने 24 फरवरी को भयानक सांप्रदायिक दंगों का रूप ले लिया था (इन दंगों में 53 लोगों की जान गई थी)। इसी दिन शाम करीब 5 बजे आईबी अधिकारी अंकित शर्मा किराने का सामान और घरेलू उपयोग की चीजें खरीदने के लिए अपने घर से निकले थे। बाहर सड़कों पर भीड़ उग्र थी। हालात बिगड़ते देख अंकित शर्मा ने आगे आकर भीड़ को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने दंगाइयों से कानून अपने हाथ में न लेने का आग्रह किया। लेकिन उग्र भीड़ ने उनकी एक न सुनी और उन्हें पकड़ लिया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट- शरीर पर 51 घाव

दंगाइयों की दरिंदगी का अंदाजा अंकित शर्मा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। हत्यारे इतने बेरहम थे कि उन्होंने अंकित के सिर, चेहरे, छाती, पीठ और कमर पर धारदार हथियारों से अनगिनत वार किए। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि उनके शरीर पर धारदार हथियारों और कुंद बल के कारण 51 चोटों के निशान थे। हत्यारों ने उन्हें तब तक मारा जब तक उनकी जान नहीं निकल गई। इसके बाद, दरिंदगी की सारी हदें पार करते हुए उनके शव को चांद बाग पुलिया के पास एक गंदे नाले में फेंक दिया गया।

जब अंकित कई घंटों तक घर नहीं लौटे, तो उनके परेशान पिता ने दयालपुर पुलिस स्टेशन में बेटे की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। तलाश के दौरान उनका क्षत-विक्षत शव नाले से बरामद हुआ। उन्हें तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अंकित के पिता ने अपनी शिकायत में ताहिर हुसैन और उसके साथियों को बेटे की हत्या का सीधा जिम्मेदार ठहराया था।

दोषियों को मिली उम्रकैद

इस मामले की सुनवाई करते हुए कड़कड़डूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पांचों दोषियों ताहिर हुसैन, नजीर, आसिम, जावेद और अनास को हत्या और दंगा भड़काने का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इन्हें आईपीसी की धारा 188, 153ए, 147, 148, 149, 365 (अपहरण) और 302 (हत्या) के तहत दोषी ठहराया गया है (हालांकि 120बी और 129 से बरी कर दिया गया)।

रूस-यूक्रेन जंग-सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, कहा- मारे गए और लापता भारतीयों के परिवारों की मदद करे केंद्र

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। धोखे से रूस भेजे गए भारतीयों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को कई अहम निर्देश दिए। विदेश मंत्रालय में नोडल अधिकारी नियुक्त होगा, डीएनए मिलान, मुआवजा और पार्थिव शरीर की वापसी में भी परिवारों को मदद मिलेगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान नौकरी का झांसा देकर रूस भेजे गए और बाद में युद्ध के मोर्चे पर पहुंचा दिए गए भारतीय नागरिकों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि विदेश मंत्रालय तुरंत एक नोडल अधिकारी नियुक्त करे, जो युद्ध में मारे गए, घायल हुए या अब भी लापता भारतीयों के परिवारों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखे और उन्हें हर जरूरी जानकारी व सहायता उपलब्ध कराए।प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि पीड़ित परिवार पहले ही भारी मानसिक और आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें समय पर सही जानकारी और हर संभव मदद मिले।

सुप्रीम कोर्ट के पांच बड़े निर्देश

- विदेश मंत्रालय में एक समर्पित नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो पीड़ित परिवारों से सीधे संपर्क में रहेगा।
- युद्ध में मारे गए भारतीयों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल का मिलान कराया जाएगा।
- नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के समक्ष मुआवजा क्लेम दाखिल कराने में विदेश मंत्रालय परिवारों की मदद करेगा।
- पीड़ित परिवारों को सभी जरूरी जानकारी और प्रक्रियाएं उनकी मातृभाषा या स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराई जाएंगी।
- राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण परिवारों को मुफ्त कानूनी सहायता देंगे।

पीएम को गालियां दी जा रहीं, आखिर हम कैसी शिक्षा ले रहे, राजनीतिक शुचिता पर जताई चिंता : राज्यपाल

लखनऊ। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की ताकत है, लेकिन यदि उसी के नाम पर देश के प्रधानमंत्री को गालियां दी जाएं, तो यह आत्मचिंतन का विषय है। लखनऊ विश्वविद्यालय के 69वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को राजनीतिक शुचिता और शिक्षा के गिरते मानकों पर चिंता जताते हुए शिक्षकों और विद्यार्थियों से सवाल किया, हम आखिर कैसी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि इस विषय पर शिक्षक और छात्र दोनों को गंभीरता से आत्ममंथन करने की जरूरत है।

अटल बिहारी वाजपेयी वैज्ञानिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बोलने की आजादी सभी को है, लेकिन स्वतंत्रता के नाम पर प्रधानमंत्री को गालियां दी जा रही हैं। उन्होंने इसे शिक्षा के गिरते स्तर से जोड़ते हुए कहा कि यह गंभीर विषय है, जिस पर पूरे समाज को ध्यान देना चाहिए।

शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों का विकास करना भी है। उन्होंने युवाओं से नैतिक मूल्यों का पालन करने का आह्वान किया और शिक्षा संस्थानों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से पूछा कि हमारी शिक्षा प्रणाली आखिर कैसी पीढ़ी तैयार कर रही है। उनका कहना था कि यदि शिक्षा संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का बोध नहीं करा पा रही है, तो इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

सुलतानपुर: हत्या के मामले में दोषी दम्पती को आजीवन कारावास

» बीपीएस न्यूज

सुलतानपुर। करीब 13 वर्ष पुराने हत्या के मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) चतुर्थ श्याम मोहन जायसवाल की अदालत ने दोषी करार दिए गए अमेठी जनपद के मुंशीगंज थाना क्षेत्र के टेरी गांव निवासी ओम प्रकाश और उसकी पत्नी राजकुमारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

अदालत ने दोनों दोषियों पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदण्ड भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। अभियोजन के अनुसार 26 मार्च 2013 को दोनों दोषियों ने वादी मुकदमा राजकुमारी के पति अयोध्या प्रसाद वर्मा की हत्या कर दी थी। हत्या के बाद अपराध के साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को नहर में फेंक दिया गया था।मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर अदालत ने ओम प्रकाश और राजकुमारी के विरुद्ध हत्या का आरोप सिद्ध पाया। वहीं, इसी प्रकरण में सह-आरोपित गोमती और उसके पुत्र राहुल वर्मा के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य न मिलने पर अदालत ने उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। दोषसिद्धि के बाद शुक्रवार को अदालत ने दोनों दोषियों को आजीवन कारावास तथा प्रत्येक पर 25-25 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित करते हुए जेल भेजने का आदेश दिया।

चंद्रशेखर ने जारी की 45 प्रभारियों की सूची, 2027 चुनाव के लिए आजाद समाज पार्टी ने कसी कमर

लखनऊ ।आजाद समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को तेज करते हुए 45 विधानसभा सीटों के संभावित प्रत्याशियों और प्रभारियों की पहली सूची जारी की।

पार्टी ने अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और सिख समाज से जुड़े नेताओं को जिम्मेदारी देकर संगठन मजबूत करने और व्यापक सामाजिक समीकरण साधने पर जोर दिया।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने चुनावी अभियान को गति दे दी है। पार्टी ने विधानसभा की 45 सीटों पर संभावित प्रत्याशियों/प्रभारियों की पहली सूची जारी की है। सूची के जरिए पार्टी ने चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने के साथ सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश की है।पार्टी की पहली सूची में अनुसूचित जाति (एससी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), मुस्लिम और सिख समाज से जुड़े नेताओं को प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं। पार्टी का कहना है कि सूची में बहुजन समाज के विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है। आजाद समाज पार्टी की ओर से घोषित प्रभारियों और संभावित प्रत्याशियों को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में संगठन मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी जाएगी। पार्टी आगामी दिनों में अन्य विधानसभा क्षेत्रों के लिए भी नाम घोषित कर सकती है।

संसद में पप्पू यादव बने 'पुजारी' राहुल ने चढ़ाया चंदा लोकसभा अध्यक्ष ने जताई आचरण पर आपत्ति

» राम मंदिर चढ़ावे के कथित मामले पर विपक्ष का नाटकीय विरोध, संसद में चर्चा और जवाबदेही की मांग

» संसद में विपक्ष का अनोखा प्रदर्शन पुजारी बने पप्पू यादव, दान पेटी से राम मंदिर चढ़ावे के मुद्दे पर साधा निशाना

» बीपीएस न्यूज

दिल्ली। संसद परिसर में शुक्रवार को विपक्ष ने राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी नेताओं ने नाट्यकला के जरिए अपनी बात रखते हुए भाजपा पर निशाना साधा और मामले पर संसद में चर्चा कराने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पुजारी के वेश में संसद भवन के मकर द्वार के सामने पहुंचे। उनके हाथ में एक 'दान पेटी' थी, जिसके जरिए उन्होंने विपक्ष के आरोपों को दर्शाने की कोशिश की।

प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेता पप्पू यादव के पास पहुंचे और प्रतीकात्मक रूप से दान पेटी में पैसे डाले। इसके बाद पप्पू यादव ने पैसे अपनी जेब में रख लिए। विपक्ष ने इस नाटकीय प्रस्तुति के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि राम मंदिर के चढ़ावे में कथित अनियमितता हुई है। इसके बाद विपक्षी नेताओं ने 'चोर-चोर' और 'चढ़ावा चोर' जैसे नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया।फैजाबाद (अयोध्या) से समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि यह मुद्दा पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अयोध्या भगवान श्रीराम की पावन भूमि है और अगर अयोध्या का अपमान हुआ है तो इस मुद्दे को मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मामले को संसद में भी उठाया जाएगा और चर्चा की मांग की जाएगी।विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में भी संसद परिसर में नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग भी उठाई। संसद परिसर में हुए इस प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

दरगाह आला हज़रत से पौधारोपण का संदेश, 108वें उर्स में होगी प्रकृति संरक्षण की अपील

» बीपीएस न्यूज

बरेली। सुन्नी बरेलवी मरकज़ दरगाह आला हज़रत से 108वें उर्स-ए-रज़वी के खास मौके पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक शानदार और व्यापक जनजागरूकता अभियान का आगाज किया गया है। इस मुहिम को ÷एक पौधा आला हज़रत के नाम÷ का नारा दिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनियाभर में मौजूद आला हज़रत इमाम अहमद रज़ा ख़ाँ फ़ाज़िले बरेलवी के अकीदतमंदों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करना और उनकी धार्मिक आस्था को प्रकृति संरक्षण के पवित्र संदेश के साथ जोड़ना है।

इस वैश्विक मुहिम का संचालन जमाअत रज़ा-ए-मुस्तफ़ा और आला हज़रत ताजुश्शरिया वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय महासचिव व %भारत गौरव रत्न% से सम्मानित समाजसेवी फ़रमान हसन ख़ान (फ़रमान मियाँ) की देखरेख में किया जा रहा है। फ़रमान मियाँ ने देश-विदेश में रहने वाले अकीदतमंदों, उलेमाओं, इमामों, मदरसों, मस्जिदों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से विशेष अपील की है। उन्होंने आह्वान किया है कि सभी अपने-अपने क्षेत्रों में %आला हज़रत के नाम% पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं और पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को एक बड़े जनआंदोलन का रूप दें।

बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए फ़रमान मियाँ ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और लगातार घटते वन क्षेत्र जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे नाजुक समय में पौधारोपण केवल एक सामाजिक कार्य नहीं रह गया है, बल्कि यह इंसानियत और हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति एक बड़ी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। अगर हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो धरती को दोबारा हरा-भरा बनाया जा सकता है।

उर्स-ए-रज़वी के दौरान देशभर से आने वाले उलेमा अपनी तक़रीरों (प्रवचनों) में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों की हिफ़ाज़त का पैग़ाम देंगे। इसके अलावा मरकज़ से जुड़े मदरसे, मस्जिदें और सामाजिक संगठन भी अपने-अपने स्तर पर पौधारोपण के कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

त्योहारों से पहले खाद्य तेल होगा महंगा : सूरजमुखी तेल पर संकट गहराया

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। देश में त्योहारों का सीजन दस्तक दे रहा है और इसी बीच खाद्य तेलों की मांग आसमान छूने लगी है। इससे एक बार फिर रसोई का बजट बिगड़ने के आसार बन गए हैं। काला सागर क्षेत्र में जंग और रूस-यूक्रेन युद्ध गहराने के कारण सूरजमुखी तेल की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। भारत आने वाले जहाजों में 60 दिनों तक की देरी हो रही है, जिससे देश में खाद्य तेल महंगा होना तय माना जा रहा है।सॉल्वेंट एक्सट्रैक्ट एसोशिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, चालू तेल वर्ष (2025-26) में जून 2026 के दौरान देश में खाद्य तेलों का आयात सालाना आधार पर 29 फीसदी घटा है। इससे तेल की उपलब्धता घटेगी जिसका सीधा असर कीमतों में बढ़ोतरी के रूप में दिख सकता है। मई 2026 में 13.39 लाख टन खाद्य तेलों का आयात हुआ था, जो जून में 11.11 लाख टन पर आ गया। पाम तेल का आयात 10.5 फीसदी घटकर 4.87 लाख टन रह गया। सोयाबीन तेल आयात 23 फीसदी गिरकर 3.81 लाख टन रह गया।दुनिया के कुल सूरजमुखी तेल निर्यात में रूस और यूक्रेन की हिस्सेदारी 63 फीसदी है। यूक्रेन के ड्रोन हमलों में रूस के बंदरगाहों को निशाना बनाने से काला सागर का समुद्री मार्ग जहाजों के लिए असुरक्षित हो गया है। इसके चलते आयातकों के दर्जनों जहाज फंस गए हैं। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सूरजमुखी तेल इसी क्षेत्र से मंगाता है। इस साल कमजोर मानसून के कारण तिलहन की बुवाई पिछड़ गई है। अब तक 163.54 लाख हेक्टेयर में तिलहन की बुवाई हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 3.45 फीसदी कम है। तिलहन का सामान्य क्षेत्रफल 200 लाख हेक्टेयर है।

मेडिकल कॉलेज में बम बनाने की गाइड मिलने से हड़कंप, एक छात्र हिरासत में

» सद्भावना का प्रतीक

अयोध्या । राजर्षि दशरथ ऑटोनॉमस स्टेट मेडिकल कॉलेज में बम बनाने के निर्देश वाला एक कथित दस्तावेज़ मिलने के बाद, मेडिकल कॉलेज के फर्स्ट ईयर के एक छात्र को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को मेडिकल कॉलेज के एक्स-रे रूम से विभाग के इंचार्ज को यह दस्तावेज़ मिला।

पुलिस को तुरंत सूचना दी गई और मामले की जांच शुरू की गई। इस घटना ने नवंबर 2025 के लाल किले में हुए धमाके की यादें ताज़ा कर दीं, जिसमें तीन मुख्य आरोपी फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े हुए थे। शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह दस्तावेज़ शायद सरफ़राज़ ने तैयार किया था। वह फ़र्स्ट ईयर का छात्र है और शुक्रवार रात एक्स-रे रूम में ड्यूटी पर था।

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर के रहने वाले सरफ़राज़ को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। सरफ़राज़ के साथ ड्यूटी पर मौजूद दो अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। हाथ से लिखे इस दस्तावेज़ में विस्फोटक बनाने के लिए ज़रूरी चीज़ों की जानकारी दी गई है। इसमें गेज वायर, अमोनियम कार्बोनेट, रेड फॉस्फोरस, रेड सल्फ़ाइड, नाइट्रिक एसिड वगैरह जैसी चीज़ों का ज़िक्र है।

संस्थान के चीफ़ मेडिकल सुपरिटेंडेंट (ष्टरूस्) डॉ. अरविंद सिंह ने बताया कि दस्तावेज़ मिलने के तुरंत बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। सिंह ने कहा जांच चल रही है और इसके नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि दस्तावेज़ का किसी आपराधिक इरादे से कोई संबंध है। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।इस बीच, कॉलेज प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है और कैंपस में सुरक्षा इंतज़ामों की समीक्षा करने का आदेश दिया है। यह घटनाक्रम पिछले साल फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों द्वारा चलाए जा रहे जैश-ए-मोहम्मद के एक टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के कुछ महीनों बाद सामने आया है। यह मामला तब सामने आया जब 10 नवंबर, 2025 को रेड फोर्ट मेट्रो स्टेशन के पास विस्फोटक से भरी एक कार में धमाका हुआ, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

गैस एसिडिटी का रामबाण इलाज हैं 5 सुपर फूड्स

सर्दियों के मौसम में पाचन को धीमा कर देता है। इस दौरान लार का उत्पादन कम होता है। सर्दियों में लोगों को भारी और मसालेदार खाने की इच्छा होती है, जो एसिड रिफ्लक्स की समस्या का कारण बनती हैं। हेल्दी डाइट अपनाने से पेट को आराम मिलता है और एसिडिटी की समस्या से बचाव किया जा सकता है। पाचन से जुड़ी परेशानियों को कम करने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए जो हल्के हों और आसानी से पच जाएं। इस लेख में हम उन 5 खास चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका सेवन करने से सर्दियों के मौसम में एसिडिटी की समस्या से राहत मिल सकती है।

हर्बल चाय का सेवन करें

ठंड के दौरान एसिडिटी से बचने के लिए हाइड्रेशन जरुरी है। सौंफ, अदरक या कैमोमाइल टी पिएं। ये एसिड के स्राव को रोकते हैं।

सर्दियों में ज्यादा कैफीन, चॉकलेट या तले हुए खाने से बचना चाहिए। कम खाना खाएं और उसे सीधे बैठकर खाएं। रात में बेड का सिरहाना 6 से 8 इंच ऊपर रखकर सोएं।

ओट्स और साबुत अनाज खाएं

हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि एसिडिटी से बचने के लिए एक बाउल केले या सेब के साथ ओटमील खाएं। इससे शरीर को घुलनशील फाइबर मिलता है जो पेट के अतिरिक्त एसिड को सोख लेता है और पाचन को दुरुस्त करता है। ओट्स का बीटा-ग्लूकन भोजन नली में एक सुरक्षा परत बनाता है जो सर्दियों में पेट की समस्याओं से निजात दिलाता है।

खट्टे फल न खाएं

ठंड के मौसम में खरबूजा, पपीता, नाशपाती जैसे खट्टे फलों का सेवन न करें। ये कम एसिड वाले फल होते हैं इनमें एंजाइम भरपूर मात्रा में होता है। पपीते में मौजूद पपैन प्रोटीन को ब्रेक करने में मदद करता है जिससे एसिड जमा नहीं होता है। संतरे या अनानास का सेवन नहीं करना चाहिए।

सर्दियों में सब्जियों को प्राथमिकता दें

हेल्थ एक्सपर्ट में बताया है कि सर्दियों में सब्जियों का सेवन करें जैसे कि- गाजर, पालक और स्टीम्ड ब्रोकली का सेवन करें, इनमें मैग्नीशियम और पोटैशियम मौजूद होता है

जिससे एसिड रिफ्लक्स की समस्या दूर होती है। शकरकंद को भूनकर या मैशकर खाएं। ये पीएच लेवल को स्थिर रखता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करें

एसिडिटी से बचाव के लिए डेयरी के हल्के और सेहतमंद विकल्पों को अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद होता है।

बादाम का दूध और कम वसा वाला दही इसके अच्छे विकल्प हैं। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट की अंदरूनी परत को शांत रखने में मदद करते हैं और पाचन को बेहतर बनाते हैं।

अगर दही को अदरक के साथ लिया जाए, खासकर ग्रीक दही, तो यह पेट की सूजन को कम करने में सहायक होता है।

वहीं अदरक एसिड रिफ्लक्स की समस्या को भी नियंत्रित करने में मदद करता है।

फल एक-फायदे अनेक, क्या आपको पता है ड्रैगन फ्रूट खाने के फायदे

आज के दौर में स्वस्थ रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। ऐसे में 'सुपरफूड्स' हमारे आहार का एक अहम हिस्सा बन गए हैं। इन्हीं में से एक फल है ड्रैगन फरूट, जिसे इसके अनूठे रूप के कारण 'कमलम' भी कहा जाता है। ऊपर से गुलाबी और अंदर से सफेद या लाल रंग का यह फल न सिर्फ दिखने में आकर्षक है, बल्कि गुणों का खजाना भी है। आइए जानते हैं ड्रैगन फरूट खाने के क्या-क्या फायदे हैं?

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा

ड्रैगन फरूट में एंटी-ऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। ये शरीर में फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में मदद करते हैं। ड्रैगन फरूट में मौजूद लाइकोपीन कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में सहायक हो सकता है।

ब्लड शुगर को करे कंट्रोल

डायबिटीज के मरीजों के लिए यह फल किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है, जो खून में शुगर के स्तर को अचानक बढ़ने से रोकता है। हालांकि, टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों को इसे सीमित मात्रा में लेने की सलाह दी जाती है।

दिल की सेहत का साथी

ड्रैगन फरूट के छोटे-छोटे काले बीजों में ओमेगा-3 और ओमेगा-9 फैटी एसिड होते हैं। ये हृदय को स्वस्थ रखने और शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा कम होता है।

पाचन तंत्र में करता है सुधार

अगर आप कब्ज या पेट की समस्याओं से परेशान हैं, तो ड्रैगन फरूट आपकी मदद कर सकता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन को सुचारू बनाता है और गुड बैक्टीरिया को बढ़ाता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार

इसमें विटामिन-ष्ट की उच्च मात्रा होती है, जो आपके इम्यून सिस्टम को इतना मजबूत बनाती है कि आप मौसमी बीमारियों और संक्रमणों से आसानी से लड़ सकें।

एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण, यह त्वचा की झुर्रियों को कम करता है। इसे खाने या इसका फेस पैक लगाने से चेहरे पर प्राकृतिक निखार आता है।

एनीमिया से दिलाता है राहत

भारत में महिलाओं में खून की कमी एक आम समस्या है। ड्रैगन फरूट आयरन का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है।

हड्डियों और दांतों की मजबूती

इसमें कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है, जो हड्डियों के डेंसिटी को बनाए रखने और दांतों को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

आंखों के लिए फायदेमंद

बीटा-कैरोटीन से भरपूर होने के कारण, यह आंखों की रोशनी को बरकरार रखने और मोतियाबिंद जैसी समस्याओं के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

वजन घटाने में सहायक

ड्रैगन फरूट में कैलोरी बहुत कम होती है और पानी की मात्रा अधिक। इसे खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जिससे वजन नियंत्रित करना आसान हो जाता है।

इस आर्टिकल में बताई विधियां, तरीके और दावे अलग-अलग जानकारियों पर आधारित हैं। आर्टिकल में दी गई जानकारी के सही होने का दावा नहीं करता है। किसी भी उपचार और सुझाव को अप्लाई करने से पहले डॉक्टर या एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

क्या आप भी रूखी और बेजान स्किन से हैं परेशान?

जरूर अपनाएं एलोवेरा जेल लगाने का सही तरीका, आप की स्किन लगेगी दमकने, आएगा निखार

सर्दियों के मौसम में ठंडी हवा और कम नमी की वजह से स्किन अक्सर रूखी और बेजान नजर आने लगती है। खासकर चेहरे की स्किन में खिंचाव आने लगता है और नेचुरल ग्लो कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप नेचुरल और असरदार स्किन केयर उपाय तलाश रहे हैं, तो एलोवेरा जेल आपकी इस समस्या का आसान समाधान कर सकता है।

एलोवेरा जेल क्यों है स्किन के लिए फायदेमंद

ठंड के मौसम में हवा में नमी कम हो जाती है, जिसकी वजह से स्किन अपनी नेचुरल मॉइस्चर खोने लगती है। इससे स्किन ड्राई, खुरदुरी और टाइट महसूस होती है। कई बार स्किन डल भी दिखने लगती है, जिससे चेहरे की चमक कम हो जाती है। एलोवेरा में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

ये तत्व स्किन को गहराई से पोषण देने के साथ-साथ उसे हाइड्रेट रखते हैं। एलोवेरा जेल स्किन को सॉफ्ट बनाता है और उसकी खोई हुई नमी को वापस लाने में मदद करता है।

चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाने से पहले क्या करें

एलोवेरा जेल लगाने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करना जरूरी होता है। सर्दियों में आप गुनगुने पानी से चेहरा धो सकते हैं,

जिससे पोर्स खुलते हैं और स्किन पर जमी गंदगी निकल जाती है। बेहतर रिजल्ट के लिए माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

एलोवेरा जेल लगाने का सही तरीका

चेहरा धोने के बाद उसे हल्के हाथों से पोंछ लें, लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि स्किन पर थोड़ी नमी बनी रहे। अब हथेली पर थोड़ी मात्रा में एलोवेरा जेल लें और

उंगलियों की मदद से चेहरे और गर्दन पर सर्कुलर मोशन में हल्के हाथों से मसाज करें। इससे जेल स्किन में अच्छी तरह एब्जॉर्ब हो जाता है। आप इसे रात के समय भी लगा सकते हैं।

एलोवेरा जेल के साथ क्या मिलाकर लगाएं

ड्राई स्किन वालों के लिए एलोवेरा जेल के साथ नारियल तेल या बादाम तेल मिलाकर लगाना फायदेमंद हो सकता है। इससे स्किन को

पोषण मिलता है और लंबे समय तक नमी बनी रहती है।

रोजाना रूप से एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करने से चेहरे पर नेचुरल निखार भी नजर आने लगता है।

डी जी कॉलेज द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत: संकल्प अभियान का आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस अभियान के शुभारंभ का सजीव प्रसारण छात्राओं ने उत्साहपूर्वक देखा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दयानन्द गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, कानपुर में ÷नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत ¯ संकल्प अभियान÷ का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था।

इस अवसर पर ÷नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत÷ विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें प्रो रुचिमिता पांडे ने युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों जैसे मेडिटेशन सत्र, जागरूकता कार्यक्रम, कला प्रतियोगिता , मेडिटेशन, खेलकूद एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस अभियान के शुभारंभ का सजीव प्रसारण छात्राओं ने उत्साहपूर्वक देखा तथा नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं एवं उपस्थित जनसमूह को यह शपथ दिलाई गई कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगी तथा अपने परिवार एवं समाज को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगी। इस अवसर पर "Say No to Drugs, Say Yes to Life" तथा ÷युवा शक्तिशाली बनेगी, विकसित भारत गढ़ेगी÷ जैसे प्रेरणादायक संदेशों का प्रसार किया गया।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. संगीता सिरोही (कार्यक्रम अधिकारी, एन.एस.एस.) के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. वंदना निगम तथा निदेशक (स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम) प्रो. अर्चना वर्मा तथा कार्यालय अधीक्षक कृष्णेन्द्र श्रीवास्तव का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, माय भारत वॉलंटियर्स, एन.सी.सी. इंचार्ज प्रो. शुभ्रा राजपूत, प्रेंजर प्रभारी प्रो. स्वाति सक्सेना, डॉ ज्योत्सना पांडे, डॉ पूजा श्रीवास्तव, डॉ कुमुद लता, डॉ उमा अवस्थी, डॉ अंजना श्रीवास्तव, डॉ साधना सिंह, डॉ सुषमा शर्मा, डॉ वंदना द्विवेदी, डॉ पिंकी द्विवेदी, डॉ दीपाली सक्सेना, समस्त एनएसएस समिति एवं सांस्कृतिक समिति का विशेष योगदान सराहनीय रहा।

रातों-रात बदलाव के कथानक भी लुभाते रहे हैं दर्शकों को

» बीपीएस न्यूज

सिनेमा और समाज का रिश्ता गहरा रहा है। इसीलिए बड़ा परदा सिर्फ कहानियां नहीं फिल्माता, प्रशासनिक व्यवस्था और सामाजिक सरोकारों के खिलाफ उठती चेतना का प्रतिबिंब भी बनता है। सिनेमा और समाज का रिश्ता गहरा रहा है। इसीलिए बड़ा परदा सिर्फ कहानियां नहीं फिल्माता, प्रशासनिक व्यवस्था और सामाजिक सरोकारों के खिलाफ उठती चेतना का प्रतिबिंब भी बनता है। जब भी भ्रष्टाचार या नफरत का दौर गहराया, तब एक काल्पनिक 'जन नायक' जन्मा, जिसने जन अधिकारों और लोकतंत्र को बचाने के लिए कदम उठाए। 'जना नायकन' जैसी फिल्में नारी सशक्तीकरण को उजागर करती हैं। वहीं 'नायक' जैसी फिल्मों में रातोंरात व्यवस्था बदलने और जनहित में फैसले लेने के कथानक हैं।

सिनेमा सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समय-समय पर इसने समाज का आईना बनने के साथ राजनीतिक-सामाजिक चेतना के जगाने का काम भी किया। जब व्यवस्था में भ्रष्टाचार, निरंकुशता और सांप्रदायिक विषैलेपन का बोलबाला हुआ, तब सिनेमा के परदे पर ऐसे 'जना नायकन' का जन्म हुआ, जिसने जनता की आवाज बनकर लोकतंत्र की रक्षा का बीड़ा उठाया। निर्माता एच विनोथ की हाल की यह फ़िल्म इसी परंपरा को आगे बढ़ाती है। हालांकि, यह फिल्म साल 2023 की हिट फिल्म 'भगवंत केसरी' की रीमेक है। यह एक पूर्व पुलिस अफसर के एक लड़की को सशक्त बनाकर भारतीय सेना में भेजने की कहानी थी। लेकिन, विनोथ ने इसमें राजनीतिक तेवर और सामाजिक संदेशों की नई परत जोड़ी। विजय थलापति की 'जना नायकन' की कहानी पिता-पुत्री के भावनात्मक रिश्ते, सशक्तिकरण और डर से संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है।

अपने मित्र इंस्पेक्टर श्रीकांत की असमय मृत्यु के बाद, थलपति वेट्री कोंडन (विजय) उनकी बेटी विजी (ममिता बैजू) के संरक्षक की भूमिका निभाता है। विजी मानसिक आघात के कारण एक गहरे डर से जूझ रही है, जो छोटी सी आवाज से सिहर उठती है। वेट्री का उद्देश्य केवल उसे सेना में शामिल कराना ही नहीं, बल्कि उसके भय को समाप्त कर उसे आत्मनिर्भर बनाना है। कहानी तब एक बड़ा मोड़ लेती है, जब इसमें जॉन हिमलर (बॉबी देओल) के रूप में खतरनाक खलनायक का प्रवेश होता है। वेट्री कोंडन का चरित्र ऐसे नायक के रूप में उभरता है, जो धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए खड़ा होता है।

दक्षिण भारतीय फिल्मों की परंपरा

फिल्म 'जना नायकन' को अगर इस परिदृश्य में रखकर देखें तो यह फिल्म विजय थलापति की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और उनकी जन-नायक की छवि को मजबूत करने का एक सुनियोजित प्रयास है। एमजीआर के दौर से ही दक्षिण भारतीय सिनेमा में फिल्मों का इस्तेमाल राजनीतिक संदेश देने और नायक को जनता के तारणहार के रूप में स्थापित करने के लिए होता रहा है। 'जना नायकन' फिल्म में जब वेट्री कोंडन धार्मिक नफरत फैलाने वाली ताकतों से मुकाबला करता है, तो वह केवल एक फिल्मी विलेन से नहीं लड़ रहा होता, बल्कि वह कट्टरता और भय के माहौल के खिलाफ एक मजबूत स्टैंड ले रहा होता है। यह मोड़ फिल्म को मनोरंजन के दायरे से निकालकर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बना देता है।

'नायक' जैसी फिल्मों में प्रयोग हुआ

व्यावसायिक सिनेमा में लोकतंत्र की रक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को रातोंरात या त्वरित फैसलों से बदलने का विचार नया नहीं है। हिंदी फिल्म 'नायक' इसका ज्वलंत उदाहरण है। एस शंकर के निर्देशन में बनी और अनिल कपूर द्वारा जीवंत की गई इस फिल्म में एक पत्रकार (शिवाजी राव) को एक दिन का मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिलता है। समय की बाध्यता के कारण शिवाजी राव औपचारिकताओं में उलझने के बजाय कड़े और त्वरित आदेश जारी करता है। भ्रष्टाचारी अधिकारियों को निलंबित करना, कालाबाजारी रोकना और समस्याओं का मौके पर ही निवारण करना जैसी उसकी शैली ने जनता को काल्पनिक लेकिन संतोषजनक राहत दी थी।

अमिताभ, देवगन भी बने बदलाव के प्रतीक

लोकतांत्रिक चेतना और व्यवस्था से टकराव की भावना अमिताभ बच्चन की फिल्म 'इंकलाब' में भी देखने को मिली है। आठवें दशक में जब राजनीति और अपराध का गठजोड़ चरम पर था, 'इंकलाब' का नायक भ्रष्टाचार और राजनीतिक सड़न को मिटाने के लिए अतिवादी, लेकिन लोकतांत्रिक शुद्धिकरण का रास्ता चुनता है। इसी कड़ी में प्रकाश झा की फिल्म 'राजनीति' और 'सत्याग्रह' का नाम भी लिया जा सकता है। 'सत्याग्रह' में अमिताभ बच्चन और अजय देवगन का किरदार एक समानांतर व्यवस्था खड़ी करके सरकार को जनहित में कड़े फैसले लेने पर मजबूर करता है। वहीं दूसरी ओर, 'युवा' और 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों ने यह दिखाया कि जब तक देश की युवा शक्ति राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनती या व्यवस्था के खिलाफ आवाज नहीं उठाती, तब तक सच्चा लोकतंत्र कायम नहीं हो सकता।

लोकतांत्रिक दायित्व भी

सिनेमा की कहानियों में नायक प्रायः अकेला होता है, जो पूरी व्यवस्था से टकरा जाता है। जबकि, वास्तविक आंदोलनों में नायक के पीछे एक जागरूक जनसमूह और युवाओं की फौज होती है।

चाहे फिल्म का 'नायक' का एक दिन का मुख्यमंत्री हो, 'सत्याग्रह' का जन-आंदोलन हो या फिर 'जना नायकन' का लोकतंत्र रक्षक थलपति। सिनेमा हमेशा से जनता की इस इच्छा को व्यक्त करता आया है कि कोई आए और इस तंत्र की कमियों को दूर करे। 'जना नायकन' मसाला सिनेमा के तमाम तामझाम, एक्शन दृश्यों और पारिवारिक भावनाओं के बीच भी लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों समानता, भयमुक्त समाज और धार्मिक सौहार्द की वकालत करती है। जो प्रतीक है कि जब सिनेमा व्यावसायिकता के साथ-साथ एक राजनीतिक और लोकतांत्रिक दायित्व को अपने कंधों पर उठाता है, तो वह केवल एक मनोरंजन का साधन न रहकर समाज के लिए एक प्रेरणा बन जाता है।

44 लाख रुपये के लिए पत्नी की हत्या, पुलिस ने पति समेत 4 आरोपी किये गिरफ्तार

हमीरपुर। एक अगस्त उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में सड़क किनारे मिला महिला का शव सड़क हादसा नहीं बल्कि बीमा की रकम हड़पने के लिए की गई सुनियोजित हत्या का मामला निकला। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए मृतका के पति समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। भौगोलिकसंदर्भपुलिस के अनुसार, 29 जुलाई की रात ललपुरा थाना क्षेत्र के पौधिया गांव के पास सड़क किनारे एक महिला का शव मिला था। पुलिस ने बताया कि बैंक खाते की पर्ची के आधार पर महिला की पहचान मौदहा थाना के बमरौली गांव निवासी रीता (32) के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर पाठक के निर्देश पर गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की मदद से रीता के पति अमर सिंह, अमित गुप्ता उर्फ राम, पुष्पेंद्र सोनी उर्फ साहिल और अभय सिंह उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से हत्या में प्रयुक्त आल्टो कार और एक एयरटेल सिम कार्ड बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि रीता ने करीब ढाई वर्ष पहले अमर सिंह से प्रेम विवाह किया था। उन्होंने बताया कि रीता की यह दूसरी और अमर सिंह की तीसरी शादी थी।

अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच में पता चला कि आरोपियों पर कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए उन्होंने रीता का जीवन बीमा कराया और उसकी हत्या कर उसे सड़क दुर्घटना का रूप देकर बीमा राशि हासिल करने की साजिश रची। उन्होंने बताया कि साजिश के अनुसार 44 लाख रुपये की बीमा राशि में से 15 लाख रुपये अमर सिंह को और शेष रकम अन्य आरोपियों में बांटी जानी थी। पुलिस के अनुसार, साजिश के तहत रीता को पौधिया नहर मार्ग पर ले जाकर पहले कार से टक्कर मारी गई और फिर उसे सड़क पर लिटाकर दोबारा कार चढ़ा दी गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि घटना के बाद अमर सिंह ने पत्नी की गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराकर खुद को संदेह से बचाने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, रीता के पिता की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर दिया गया और मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बारिश से रुका नमामि गंगे प्रोजेक्ट, गंगा का बढ़ा जलस्तर, 14 नालों की टैपिंग बंद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से नमामि गंगे परियोजना के तहत चल रहा 14 नालों को टैप करने का काम फिलहाल रोक दिया गया है। जल निगम ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए घाटों के आसपास चल रही खुदाई और निर्माण गतिविधियां अस्थायी रूप से बंद कर दी हैं। करीब 150 करोड़ रुपये की इस परियोजना का उद्देश्य गंगा और पांडु नदी में गिरने वाले दूषित पानी को रोककर उसे सीवरेज सिस्टम से जोड़ना है।इन दिनों लगातार बारिश के चलते गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इसका असर घाटों के किनारे चल रहे निर्माण कार्य पर पड़ा है। जल निगम ने बताया कि जिन स्थानों पर नालों को टैप करने के लिए खुदाई की जा रही थी, वहां पानी पहुंचने से काम करना सुरक्षित नहीं रह गया है। अधिकारियों का कहना है कि मौसम सामान्य होने और जलस्तर घटने के बाद निर्माण कार्य दोबारा शुरू कर दिया जाएगा।नमामि गंगे परियोजना के तहत जल निगम करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से गंगा और पांडु नदी में गिरने वाले 14 प्रमुख नालों को टैप कर रहा है। परियोजना का लक्ष्य जुलाई 2027 तक पूरा करने का है। योजना के तहत नालों के गंदे पानी को इंटरसेप्ट कर सीवर लाइन और एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) तक पहुंचाया जाएगा, ताकि बिना शोधन के कोई भी दूषित पानी सीधे नदी में न गिरे।

वन विभाग व एसटीएफ की कार्रवाई में 171 कछुए हुए बरामद, तस्कर किये गए गिरफ्तार

न्यायालय के आदेश पर सभी कछुओं को गंगा नदी में प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग, कानपुर नगर ने बताया कि 18 जुलाई को प्राप्त सूचना के आधार पर वन विभाग, कानपुर नगर तथा एसटीएफ मुख्यालय, लखनऊ की संयुक्त टीम द्वारा हरवंश मोहाल क्रॉसिंग के पास विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में काले रंग का बैग लिए दिखाई दिया। तलाशी लेने पर उसके बैग से 171 इंडियन रूफ्ड टर्टल (Pangshura tecta) प्रजाति के कछुए बरामद किए गए।

उन्होंने बताया कि इंडियन रूफ्ड

टर्टल (Pangshura tecta) भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 (Schedule-I) में संरक्षित वन्यजीव है। ऐसे वन्यजीवों का शिकार करना, उन्हें अवैध रूप से अपने कब्जे में रखना अथवा उनका व्यापार करना अधिनियम की धारा 9, 39, 40, 48(ए), 51 एवं 57 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम जाहिद अली पुत्र मोहम्मद अली, निवासी भटपुरा, थाना कमालगंज, जनपद फर्रुखाबाद बताया। आरोपी के विरुद्ध भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की संबंधित धाराओं के अंतर्गत विभागीय एच-2 प्रकरण दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

बरामद किए गए सभी 171 कछुओं को माननीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कानपुर के आदेश के अनुपालन में वन विभाग कानपुर नगर एवं फर्रुखाबाद की संयुक्त टीम की निगरानी में उनके प्राकृतिक आवास पंचालघाट, जनपद फर्रुखाबाद स्थित गंगा नदी में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया।

3 अगस्त से शुरू होगा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का नया वेब पोर्टल, मेंटेनेंस अवधि में धैर्य रखें श्रमिक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपर श्रम आयुक्त, कानपुर क्षेत्र, कानपुर शमीम अख्तर ने बताया कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में सदस्य के रूप में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ श्रम विभाग के माध्यम से प्रदान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि बोर्ड के नवीन वेब पोर्टल का शुभारंभ 3 अगस्त, 2026 को प्रस्तावित है। नए पोर्टल के शुभारंभ, डिजिटल डेटा माइग्रेशन तथा अन्य तकनीकी कार्यों के दृष्टिगत वर्तमान वेब पोर्टल को 27 जुलाई, 2026 से 3 अगस्त, 2026 तक आवश्यकतानुसार समय-समय पर मेंटेनेंस अथवा अस्थायी रूप से बंद रखा जा सकता है।

अपर श्रम आयुक्त ने सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि मेंटेनेंस अवधि के दौरान यदि पोर्टल कार्य न करे अथवा सर्वर डाउन मिले तो किसी प्रकार की जल्दबाजी न करें तथा धैर्य बनाए रखें। इस अवधि में नए आवेदन, नवीनीकरण अथवा दस्तावेज अपलोड करने का प्रयास न करें।

उन्होंने बताया कि 3 अगस्त, 2026 को नवीन वेब पोर्टल के सुचारु रूप से प्रारंभ होने के बाद सभी श्रमिक अपने आवेदन, पंजीकरण, नवीनीकरण एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कार्य नए पोर्टल के माध्यम से सरल एवं सुगम तरीके से कर सकेंगे।

बाबा बड़े दयालू हैं ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू हैं

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

पति का शव फांसी के फंदे से लटका तो पत्नी का शव कमरे में पड़ा मिला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्रनाथ चौधरी ने बताया कि थाना बर्रा क्षेत्र अन्तर्गत एक किराये के मकान से पति-पत्नी के शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं फोरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। प्रथम दृष्ट्या पति का शव फांसी के फंदे से लटका तथा पत्नी का शव कमरे में पड़ा मिला। दोनों कुछ दिन पूर्व ही उक्त मकान में किराये पर रहने आए थे तथा मूल रूप से थाना सचेंडी क्षेत्र के निवासी थे।परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में गहन जांच की जा रही है। शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। मृत्यु के वास्तविक कारणों का निर्धारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

Jai Ambey Traders

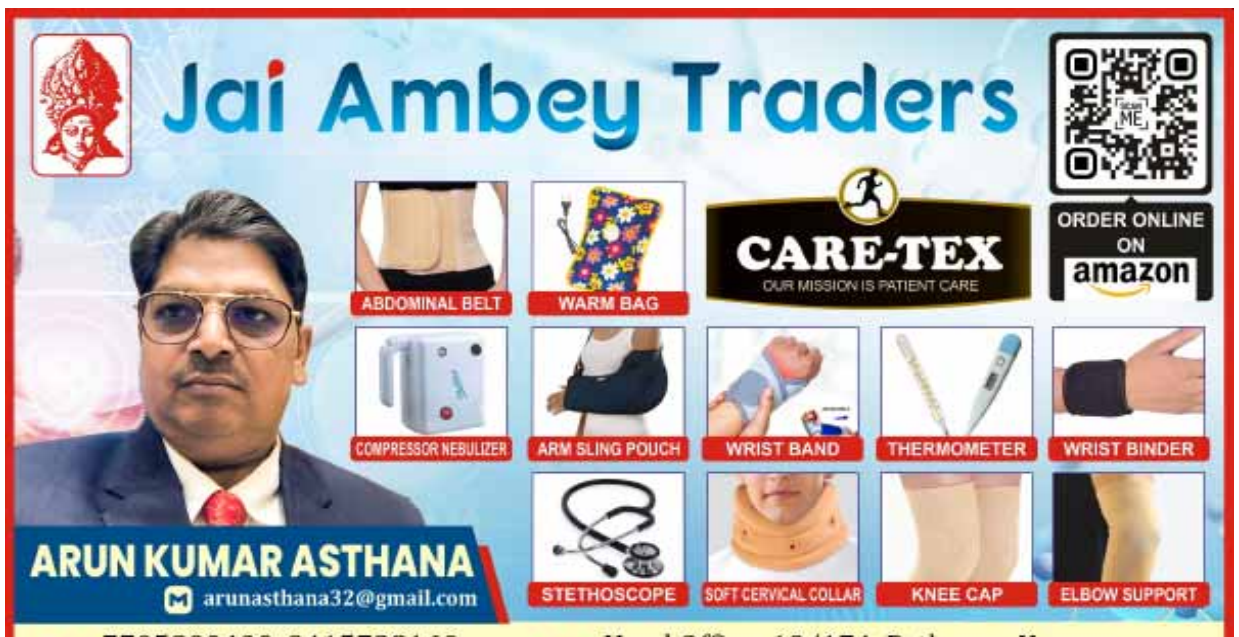

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com
7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401
Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर

अकाना होम डेवलपर्स
आवासीय प्लाट

हमारी साईट :
- पाली
- सेन पश्चिम पारा
- मंझावन
- नौबस्ता आवास विकास
- रमईपुर
- जाजमऊ गंगापुर

पता- 34, सुभाष कॉम्पलेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर
Mob. : 9000531538 9

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल प्रबंधक
माधुरी पटेल डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें
9919772233 7985401046
पता:- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Sahu Ji Maharaj Restaurant

राजसी ठाट देसी अंदाज़

Since:1992
638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर (निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)
M: 8303637506 9792526852

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा थाना बर्रा सर्किल नौबस्ता में अर्दली रूम किया गया आयोजित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण, दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा थाना बर्रा सर्किल नौबस्ता में अर्दली रूम आयोजित किया गया। अर्दली रूम के दौरान पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा थाना बर्रा के समस्त विवेचकों की लंबित एवं विचाराधीन विवेचनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अकारण विवेचनाओं को लंबित रखने वाले विवेचकों को सख्त हिदायत दी गई तथा सभी प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विवेचना में भौतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का प्रभावी उपयोग करने पर विशेष बल दिया गया।

बैठक के दौरान अपराधी, सांप्रदायिक एवं माफिया प्रवृत्ति के व्यक्तियों का घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन करने, उनकी गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने तथा आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।इसके अतिरिक्त थाना प्रभारी एवं समस्त पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि थाने पर आने वाले फरियादियों के साथ सम्मानजनक एवं संवेदनशील व्यवहार किया जाए, उनकी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सभी आवश्यक सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था संबंधी तैयारियां समय से पूर्ण रखी जाएं। मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त नौबस्ता कमि0 कानपुर नगर एवं प्रभारी निरीक्षक थाना बर्रा मौजूद रहे।

कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'आंतरिक समिति' का गठन और 'शी-बॉक्स' पोर्टल पर विवरण अपलोड करना अनिवार्य

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से प्रशासन ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने महिला कल्याण निदेशालय, उत्तर प्रदेश (लखनऊ) के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए बताया कि जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी, निजी कंपनियों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और निजी फर्मों में जहाँ 10 या उससे अधिक कर्मचारी (महिला एवं पुरुष) कार्यरत हैं, वहाँ आंतरिक समिति (Internal Committee – IC) का गठन करना कानूनी रूप से अनिवार्य है। भौगोलिकसंदर्भ

यह कार्रवाई कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (POSH Act) के तहत की जा रही है।

'शी-बॉक्स' (SHe-Bo&) पोर्टल पर विवरण अपलोड करना ज़रूरी

जिला प्रोबेशन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि केवल आंतरिक समिति का गठन कर लेना ही काफी नहीं होगा। समिति के अध्यक्ष और सभी सदस्यों की पूरी जानकारी केंद्र/राज्य सरकार द्वारा संचालित शी-बॉक्स (SHe-Bo& – Se&ual Harassment electronic Bo&) पोर्टल पर दर्ज (अपलोड) कराना अनिवार्य कर दिया गया है।शी-बॉक्स क्या है? शी-बॉक्स भारत सरकार द्वारा तैयार किया गया एक सिंगल-विंडो ऑनलाइन पोर्टल है, जिसके माध्यम से किसी भी संस्थान की महिला कर्मचारी कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकती है। इस पोर्टल पर दर्ज विवरण से शासन स्तर पर निगरानी रखी जाती है।

जिला प्रशासन की सख्त अपील व दिशा-निर्देश

जिन संस्थानों या प्रतिष्ठानों ने अभी तक आंतरिक समिति का गठन नहीं किया है या जिसका विवरण पोर्टल पर अपलोड नहीं हुआ है, उनके लिए प्रशासन ने निम्नलिखित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं- विधानशाखा

तत्काल गठन एवं विवरण अपलोड- ऐसे सभी संस्थान बिना किसी देरी के आंतरिक समिति का गठन करें और उसकी जानकारी तुरंत शी-बॉक्स पोर्टल पर अपलोड करें।

कार्यालय को भेजें दस्तावेज समिति गठन से संबंधित आवश्यक अभिलेखों/दस्तावेजों की एक प्रति जिला प्रोबेशन कार्यालय, कानपुर नगर की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजना सुनिश्चित करें: ई-मेल आईडी- dpokanpurnagar@gmail.com

नियमों के अनदेखी पर हो सकती है कार्रवाई

प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि 10 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों द्वारा इस नियम की अनदेखी करने या आंतरिक समिति का गठन न करने पर संबंधित संस्थान के खिलाफ कानून के तहत नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। अतः जिले के सभी छोटे-बड़े निजी व सरकारी संस्थान समय रहते इस प्रक्रिया को पूरा कर लें।

सुनील कुमार शर्मा ने संभाला सहायक आयुक्त (खाद्य) कानपुर मंडल का कार्यभार

रामपुर में 4 साल की सफल सेवा देने के बाद सुनील कुमार शर्मा ने कानपुर मंडल की संभाली कमान; मिलावटखोरों पर नकेल कसने की दी सख्त चेतावनी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर मंडल में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ तथा पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से नवागत सहायक आयुक्त (खाद्य) सुनील कुमार शर्मा ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। रामपुर जिले से स्थानांतरित होकर आए सुनील कुमार शर्मा ने 18 जुलाई को कानपुर पहुँचकर विधिवत जॉइनिंग ली। रामपुर जनपद में सफलतापूर्वक 4 वर्षों का लंबा कार्यकाल पूरा करने के बाद अब वह कानपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी छह जनपदों में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालेंगे। लंबीदूरी के लिए बस और रेल की सेवाएं

6 दिन जनता और कारोबारियों के लिए रहेंगे उपलब्ध

कार्यभार संभालते ही नवागत सहायक आयुक्त ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट कर दिया। उन्होंने बताया कि वह सोमवार से शनिवार तक (सप्ताह में पूरे 6 दिन) कार्यालय में उपस्थित रहकर मंडल की प्रशासनिक और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंडल के छह जनपदों में कार्यरत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों के कामकाज पर पैनी नजर रखी जाएगी, ताकि जनता को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्रियां उपलब्ध कराई जा सकें।

कारोबारियों के लिए सीधी संवाद व्यवस्था

खाद्य लाइसेंस और पंजीयन की प्रक्रिया को सुगम बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि व्यापारियों और कारोबारियों को किसी भी तरह की अनुचित परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाएगी।यदि किसी व्यापारी या कारोबारी को खाद्य लाइसेंस बनवाने अथवा खाद्य सुरक्षा से संबंधित कोई भी समस्या आ रही है, तो वह बिना किसी झिझक के सीधे मुझसे संपर्क कर सकता है। उनकी जायज समस्याओं का त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। सुनील कुमार शर्मा, सहायक आयुक्त (खाद्य), कानपुर मंडल लंबीदूरी के लिए बस और रेल की सेवाएं

मिलावटखोरों पर कसता शिकंजा- बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले असामाजिक तत्वों और मुनाफाखोरों को कड़ा संदेश देते हुए सहायक आयुक्त ने साफ लहजे में कहा कि जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी कारोबारी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंडल भर में मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी रखी जाएगी। किसी भी क्षेत्र से मिलावट या गुणवत्ता में कमी की शिकायत मिलने पर तुरंत संयुक्त टीमों का गठन कर त्वरित और कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पूरी कार्रवाई का मॉनिटरिंग और पर्यवेक्षण वह स्वयं करेंगे, ताकि निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहे।

श्रमिकों के मुद्दे से लेकर खेलों तक, सांसद रमेश अवस्थी ने उठाई कानपुर को स्पोर्ट्स हब बनाने की मांग

कानपुर। सांसद रमेश अवस्थी ने नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। शहर में एडवांस वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड में कार्यरत ठेका व आउटसोर्सिंग कर्मचारियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री को पूर्व में प्रेषित पत्र व श्रमिक संगठनों द्वारा उपलब्ध कराए गए तथ्यों के आधार पर जानकारी दी।

सांसद ने बताया कि कंपनी में कार्यरत ठेका श्रमिकों के उत्पीड़न, आर्थिक शोषण व श्रम कानूनों के उल्लंघन की शिकायतें लंबे समय से प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की। सांसद ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि ठेका श्रमिकों द्वारा बोनस व अन्य देय भुगतान में अनियमितताओं, अवैध वसूली और श्रमिकों पर अनावश्यक दबाव बनाए जाने जैसी गंभीर शिकायतें की गई हैं। कहा कि श्रमिकों के हितों की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए श्रम कानूनों का लाभ प्रत्येक श्रमिक तक पहुंचना चाहिए।

वहीं, सांसद रमेश अवस्थी ने आउटसोर्सिंग व्यवस्था में कार्यरत कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की भी मांग करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए इनके मासिक मानदेय में बढ़ोत्तरी की जाए, जिससे उन्हें सम्मानजनक जीवनयापन करने में सुविधा मिल सके। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने आश्वासन दिया कि मंत्रालय इन विषयों पर शीघ्र विचार करेगा। उन्होंने विशेष रूप से आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय वृद्धि के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख व्यक्त करते हुए कहा कि इस संबंध में जल्द विचार कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

शहर में खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं, उच्च स्तरीय कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस लैब, स्पोर्ट्स मेडिसिन सेंटर, फिजियोथेरेपी सुविधा व खिलाड़ियों के लिए आवासीय खेल छात्रावास आदि खेल से जरूरी चीजों की स्थापना की जाए।

बदमाशों ने परिवार को बंधक बना असलहे के बल पर की 12 लाख की लूट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । रनिया थाना क्षेत्र के पामा रोड स्थित वार्ड नंबर दस श्यामसुदंर नगर में रहने वाले राजन कुमार पुत्र रामगोपाल करीब छह माह से घर बना कर रह रहे है। राजन ने बताया कि वह रसूलाबाद के मकरंदपुर गांव का रहने वाले है। वह टाइल्स मिस्त्री का काम करता है।

रोजाना के तरीके वह खाना खाकर के पत्नी प्रेमलता, बेटा कृष्ण, भतीजा हिमांशु साथ छत पर सोने चले गए। रात करीब एक डेढ़ बजे पांच बदमाशों ने ऊपर आकर पकड़ा लिया और मारपीट करना शुरू कर दी। उसके सिर में एक लोहे की रॉड मार दी। जिससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद पत्नी और बच्चे व भतीजों को भी पकड कर मारपीट करने लगे। बताया कि उनके हाथ में दो चाकू, दो पिस्तौल, एक नुकीला तरह की राड था। इसके बाद सभी को आंगन में ले गए। वहां पर उसे और भतीजे और बेटे को चारपाई में लिटाकर रस्सी से बांध दिया। पत्नी प्रेमलता को गेट की ताला खुलवाकर रखी अलमारी में दो लाख नगद दूसरे कमरे में रखे पेंट को जेब से 50 हजार जेब से निकाल ले गए। उसी कमरे में एक लाख टांड़ में रखे थे। उसको पार कर दिया। बताया कि करीब तीन लाख 50 हजार की नगदी और 9 लाख की जेवर पार कर दिया है। बंधक बनाकर लूटपाट की जानकारी पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छानबीन की। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने बताया कि घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत पति घर छोड़ कर भागा, भाई का आरोप- जीजा ने मार डाला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंदनगर थाना क्षेत्र में रिंकू उर्फ रंजू कुमारी (23) की बुधवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मायके पक्ष ने पति पर बेटी होने पर ताने देने और दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। विवाहिता के भाई का आरोप है कि जीजा ने जहरीला पदार्थ खिलाकर बहन की हत्या की और घर से भाग गया। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।बिहार के सिवान के थाना भगवानपुर के लाहोरी पौरिया निवासी विकास ने बताया कि उसने बहन रिंकू की शादी 11 मार्च 2025 को गोपालनगर कच्ची बस्ती निवासी ऑटो चालक पंकज यादव से की थी। दोनों की छह माह की बेटी सान्वी है। गर्भावस्था के दौरान रिंकू को पंकज मायके छोड़ गया। 24 जनवरी 2026 को भांजी के जन्म के बाद उसने बहन को साथ रखने से मना कर दिया। मान-मनौव्वल के बाद बहन और भांजी को पंकज अपने साथ ले गया।

बुधवार शाम पंकज ने बहन को खाने की चीज में जहरीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया और घर से भाग गया। हालत बिगड़ने पर ससुरालीजन उसे हैलट ले गए जहां देर रात मौत हो गई। गोविंदनगर इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे ने बताया कि परिजन के आरोपों की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

नाले के किनारे समोसा-कचौड़ी: गंदगी में बनता मिला केक, विभाग की छापेमारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में वर्षों से चल रहे अवैध मोटर ड्राइकानपुर। चमनगंज में शनिवार को खाद्य विभाग की टीम ने पहली बार अजमेरी होटल, हलीम कॉलेज चौराहा के पास बाबा स्वीट, वारसी होटल समेत कई खानपान प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। जांच के दौरान कई खामियां सामने आईं। टीम ने खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए लैब भेजे हैं, जबकि कई दुकानदारों को नोटिस भी थमाए गए हैं।

शनिवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश और सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वद्व संजय प्रताप सिंह के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रजनीश कुमार राय, अनिल कुमार, नरेंद्र शर्मा, आशुतोष कुमार, उमाशंकर सिंह एवं खाद्य सचल दल ने अभियान चलाया। डिप्टी पड़ाव चौराहा, लक्ष्मीपुरवा स्थित गोपाला स्वीट हाउस का निरीक्षण किया गया। यहां खुले नाले के किनारे समोसे और कचौड़ी तैयार की जा रही थीं। गंदगी सीधे नाली में डाली जा रही थी। प्रतिष्ठान के प्रवेश एवं निकास मार्ग पर गंदा पानी जमा था और बड़ी संख्या में मक्खियां मौजूद थीं। फूड हैंडलरों द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन नहीं किया जा रहा था। फर्श, सीढ़ियों और डस्टबिन की नियमित सफाई भी नहीं की जा रही थी। खाद्य पदार्थों के संदूषित होने की प्रबल संभावना और खाद्य सुरक्षा मानकों के गंभीर उल्लंघन को देखते हुए साफ-सफाई सुनिश्चित होने तक प्रतिष्ठान का खाद्य व्यवसाय मौके पर ही बंद करा दिया गया। अभियान के दौरान तीन प्रतिष्ठानों को बंद कराया गया।

दलेलपुरवा पुलिस चौकी के सामने स्थित बॉम्बे बेकरी के निरीक्षण में गंदगी के बीच केक का निर्माण होता मिला। खाद्य कर्मी बिना हेड कैप, हैंड ग्लव्स और एप्रन के काम करते पाए गए। फूड हैंडलरों के स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी उपलब्ध नहीं थे। खाद्य विभाग की टीम ने संदेह के आधार पर केक और वनस्पति घी के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए भेजे हैं।

हादसे में सगे भाइयों की मौत, दुधारू भैंसों के कारोबार से चलता था परिवार, हादसे ने छीन लिए दो सहारे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में सगे भाइयों सईद कुरैशी और नासिर कुरैशी की मौत ने एक ऐसे परिवार को तोड़ दिया, जिसकी रोजी-रोटी वर्षों से दुधारू पशुओं के कारोबार से जुड़ी थी। परिवार के चारों भाई मिलकर इस कारोबार को संभालते थे और मेहनत के दम पर घर का खर्च चलाते थे।

परिजनों के मुताबिक बड़े भाई सईद कुरैशी (35) और छोटे भाई नासिर कुरैशी (25) आसपास के क्षेत्रों और बाहर से अच्छी नस्ल की दुधारू भैंसें खरीदकर लाते थे। वहीं उनके भाई शकील कुरैशी और आसिफ कुरैशी कोंच व आसपास के इलाकों में इन पशुओं की बिक्री का काम संभालते थे। चारों भाइयों की मेहनत से परिवार की गाड़ी चल रही थी। गुरुवार को भी दोनों भाई इसी काम के सिलसिले में दुधारू भैंस खरीदने के लिए निकले थे, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। सईद की मौत से जहां पत्नी और पांच बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया, वहीं नासिर की मौत से पत्नी और दो बच्चों का सहारा छिन गया। नासिर का सबसे छोटा बच्चा अभी महज करीब सात माह का है।पिता शरीफ कुरैशी (60) के सामने दो बेटों की मौत का दुख पहाड़ जैसा टूट पड़ा है। चार शादीशुदा बहनों को जब भाइयों की मौत की खबर मिली तो वे भी बदहवास होकर मायके पहुंच गईं। घर में चीख-पुकार मची हुई है। परिजनों का कहना है कि दोनों भाई परिवार के लिए सिर्फ कमाने वाले सदस्य नहीं थे, बल्कि कारोबार की मजबूत कड़ी थे। उनके जाने से जहां परिवार भावनात्मक रूप से टूट गया है, वहीं वर्षों से चल रहे पशुओं के कारोबार पर भी संकट खड़ा हो गया है। मोहल्ले के लोग भी इस दुखद घटना से गमगीन हैं और परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।